तापमान
अधिकतम 31.0 डिग्री
न्यूनतम 26.0 डिग्री

हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि
रोहतक, रविवार, 31 अगस्त 2025

8 गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ के....

8 हॉकी मैच में शहीद भगत सिंह क्लब विजयी

खबर संक्षेप

दुकानदार पर कुल्हाड़ी से हमला, मामला दर्ज

जींद। गांव बधाना में कहासुनी के चलते एक व्यक्ति ने दुकानदार पर कुल्हाड़ी से हमला कर घायल कर दिया। अलेवा थाना पुलिस ने आरोपित के खिलाफ जानलेवा हमला करने समेत विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया है। गांव बधाना निवासी नरेंद्र ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी गांव के प्रशांत से कहासुनी हो गई। वह अपनी दुकान मे बैठा मे हुआ था।

कस्बा सीवन में मारपीट में एक व्यक्ति घायल

कैथल। कस्बा सीवन में हुई मारपीट में एक व्यक्ति घायल हो गया। उसे अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। कस्बा सीवन के संजीव कुमार ने सीवन पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 12 जुलाई को सतीश, राजीव, संगीत और अरुण ने मिलकर उसके साथ मारपीट करते घायल कर दिया। आरोपी मौके से फरार हो गए। जांच अधिकारी सहायक उप निरीक्षक रामविलास ने बताया कि पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार की मौत

जींद। गांव करमगढ़ के निकट तेजरफ्तार ट्रैक्टर ट्राली की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। सदर थाना नरवाना पुलिस ने मृतक के पिता की शिकायत पर ट्रैक्टर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गांव खानपुर निवासी शमशेर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत 17 उसका बेटा सुशील बाइक पर सवार हो गांव करमगढ़ के निकट से गुजर रहा था।

सरकारी स्कूल की छात्रा हुई लापता, दो नामजद

कैथल। गुहला थाना क्षेत्र के एक गांव के सरकारी स्कूल में पढ़ने आई 17 वर्षीय छात्रा का लापता होने का मामला प्रकाश में आया है। इस संबंध में किशोरी के परिजनों ने गुहला पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी बेटी गांव अगौंध के सरकारी स्कूल में पढ़ती है। आरोप है कि 29 को भी उसकी बेटी सुबह पढ़ने के लिए घर से आई थी लेकिन स्कूल मुखिया के मैसेज से पता चला कि वह स्कूल नहीं पहुंची। बाद में सामने आया कि सुमित और हैप्पी नामक दो युवक बहला भुसलाकर भाग ले गए हैं।

मारपीट करने पर छह के खिलाफ शिकायत दर्ज

जींद। गांव घोघड़िया में रंजिशन एक परिवार के साथ मारपीट करने पर उचाना थाना पुलिस ने छह युवकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव घोघड़िया निवासी साहिल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी गांव के ही सचिन तथा विशाल के साथ कहासुनी हो गई थी। जिस पर सचिन व उसके परिजनों ने उस पर हमला कर दिया।

चाकू दिखा कर गल्ले से नकदी निकाल युवक फरार

नरवाना। हुड्डा मार्केट में फास्ट फूड की दुकान पर काम कर रहे व्यक्ति की गर्दन पर चाकू रख कर गल्ले से 1200 रुपये निकालने व मोबाइल छीनने के आरोप में सिटी पुलिस ने दो अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार नेपाल के रहने वाले सुमन ने सिटी पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई मार्केट स्थित फास्ट फूड की दुकान पर काम कर रहा था कि अचानक दो युवक दुकान पर आए और दुकान पर रखा चाकू उठा कर गर्दन पर लगा दिया और 1200 रुपये की नकदी निकाल ली।

चरस स्पलायर गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ जारी

जींद। सिविल लाइन थाना पुलिस ने चरस स्पलायर को गिरफ्तार किया है। सीआईए स्टाफ ने गत 14 अक्टूबर को नया बस अड्डे के निकट सर्विस रोड गांव जिदराणा हाल आबाद निवासी विकास नगर निवासी अंकित को काबू कर उसके कब्जे से 435 ग्राम चरस बरामद की थी।

बारिश स्थिर होने पर जलस्तर कम हो सकता है, लेकिन खतरा बरकरार

14 हजार 630 क्यूसेक था जलस्तर
29 हजार 768 क्यूसेक हुआ बढ़कर

लोगों को सता रहा भय

- लगातार हो रही बारिश से बनी बाढ़ जैसी स्थिति, क्षेत्रवासियों को सता रहा भय
- मौसम विभाग ने पंचकूला, अंबाला और यमुनानगर में अलर्ट जारी किया।
- एसडीएम ने घग्घर टटियाना गेज, सारोला साइफन, रत्ता खेड़ा लुकमान बंध, भाटिया घग्घर बंध आदि क्षेत्र का दौरा किया

जिला प्रशासन ने 32 गांवों में जारी किया है खतरे का अलर्ट

भूंसला, रत्ताखेड़ा, सिहाली, मैंगड़ा, भागल आदि गांवों के पास स्थिति ज्यादा खराब

2023 की बाढ़ के दौरान गुहला चीका क्षेत्र रहा था सबसे ज्यादा प्रभावित

30 हजार क्यूसिक तक पहुंचा घग्गर का जलस्तर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

देश व प्रदेश में लगतार हो रही बरसात के कारण कई स्थानों पर बाढ की स्थिति बन गई है। इसके साथ ही रविवार को भी बरसात होने का अंदेशा है। इस कारण कई क्षेत्रवासियों का बाढ का भय सता रहा है। ऐसा ही जिले के गुहला-चीका क्षेत्र में देखने को मिल रहा है। मौसम विभाग ने पंचकूला, अंबाला और यमुनानगर में बारिश का अलर्ट जारी किया है। पहाड़ों और पंचकूला में हो रही लगातार बारिश के कारण घग्गर नदी का जलस्तर बढ़ गया है। घग्गर नदी का जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंच गया है। जिससे नदी का पानी निचले इलाकों, विशेषकर तलहटी के खेतों में घुसने की कगार पर है, जिससे किसानों को नुकसान और चिंता हो रही है।

तलहटी के खेतों में घुसने के कगार पर घग्गर नदी का पानी

पहाड़ों और पंचकूला में हो रही लगातार बारिश के कारण घग्गर नदी का जलस्तर बढ़ गया है। घग्गर नदी का जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंच गया है। जिससे नदी का पानी निचले इलाकों, विशेषकर तलहटी के खेतों में घुसने की कगार पर है, जिससे किसानों को नुकसान और चिंता हो रही है। शुक्रवार सुबह गुहला-चीका क्षेत्र के टटियाना घग्गर नदी का जलस्तर 14 हजार 630 क्यूसेक दर्ज किया गया था, लेकिन शनिवार दोपहर तक इसका जलस्तर बढ़कर 29 हजार 768 क्यूसेक को पार कर गया। बता दें हिमाचल में भारी वर्षा हो रही है। ऐसे में घग्गर नदी में लगातार पानी आ रहा था। पिछले कुछ दिनों से 13 हजार 90 से 14 हजार क्यूसेक जलस्तर के आसपास चल रहा था, लेकिन शनिवार के दिन एकाएक जलस्तर बढ़कर 29 हजार 768 क्यूसेक हो गया है।

17 फीट रिकॉर्ड किया गया जलस्तर

शनिवार को टटियाना पुल पर लगे सरकारी गेज के अनुसार नदी का जलस्तर करीब 17 फीट रिकॉर्ड किया गया।

बता दें कि बढ़ते जलस्तर को लेकर जिला प्रशासन ने 32 गांवों में अलर्ट जारी कर दिया है। अधिकारियों के अनुसार हिमाचल में बारिश स्थिर होने पर जलस्तर कम हो सकता है, लेकिन फिलहाल नदी के तटवर्ती क्षेत्रों के लोग बाढ़ के डर से चिंतित हैं। हालांकि अभी पानी का स्तर खतरे के निशान से नीचे बह रहा है लेकिन गुहला-चीका के कुछ गांव भूंसला, रत्ताखेड़ा, सिहाली, मैंगड़ा, भागल आदि गांवों के पास पानी नदी के किनारों पर बह रहा है। इन गांवों ने 2023 में आई बाढ़ का सबसे ज़्यादा खतरा झेला था, क्योंकि नदी के किनारे बड़े पैमाने पर मिट्टी का कटाव और कृषि भूमि नष्ट हो गई थी। बाढ़ के पानी ने यहां की कृषि भूमि पर रेत और गाद की दो फुट की परत जमा कर दी थी।

जलभराव से दूर रहे लोग

2023 की बाढ़ के दौरान गुहला चीका क्षेत्र सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों में से एक था। प्रशासन ने लोगों को नदी से दूर रहने का अलर्ट जारी करते हुए गुहला तहसील कार्यालय फ्लड कंट्रोल रूम का हेल्पलाइन नंबर 01743-221555 भी जारी कर दिया है। एसडीएम कैप्टन प्रमेश सिंह ने बताया कि गुहला प्रशासन की ओर से अलर्ट जारी किया गया है कि हिमाचल व हरियाणा में बीती रात से हो रही भारी बारिश के कारण घग्गर नदी का जल स्तर खतरे के निशान के पास पहुंच गया है। प्रशासन ने लोगों को सलाह दी है कि नदी, नालों व जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रहें। किसी भी नदी या नाले के किनारे या उस पर बने पुल पर खड़े होकर पानी देखने व सोशल मीडिया पर फोटो या वीडियो बनाने से बचें।

बढ़ते जल स्तर ने बढ़ाई किसानों और जिला प्रशासन की चिंता

- एसडीएम अजय हुड्डा ने अधिकारियों के साथ किया घग्घर क्षेत्र का दौरा
- बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए संबंधित विभाग रखें पूरी तैयारियां, गुहला क्षेत्र में स्थिति नियंत्रण में : अजय हुड्डा

गुहला-चीका। पहाड़ों में हुई ज्यादा बरसात के कारण घग्गर नदी में बढ़ते जल स्तर को लेकर एसडीएम अजय हुड्डा ने डीसी प्रीति के निर्देशानुसार गुहला क्षेत्र का दौरा किया। फिलहाल गुहला क्षेत्र में स्थिति नियंत्रण में है। एसडीएम ने स्थिति को देखते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों की ड्यूटी लगाई है और कहा कि प्रशासन हर स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं। कलायत एसडीएम अजय हुड्डा ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ घग्घर टटियाना गेज, सारोला साइफन, रत्ता खेड़ा लुकमान बंध, भाटिया घग्घर बंध आदि क्षेत्र का दौरा किया और स्थिति का जायजा लिया।

सिंचाई विभाग रख रहा निगरानी

घग्गर टटियाना गेज पर 26 हजार क्यूसिक पानी चल रहा है, जिसका लेवल 16 फुट है। खतरे का निशान 23 फुट पर है। सिंचाई विभाग इस पर पूरी निगरानी बनाए हुए हैं। साइफन सरोला पर तटबंध को मजबूत करने के लिए कर्मचारियों द्वारा कार्य किया जा रहा है। रत्ता खेड़ा लुकमान गांव के पास बंध पर पोकलेन मशीन पहले से ही तैनात कर दी गई है, ताकि अगर बाढ़ जैसी स्थिति पैदा होती है तो उससे निपटा जा सके।

ग्राम सचिवों की भी ड्यूटी लगाई

एसडीएम अजय सिंह ने कहा कि लगभग 32 गांव के लोगों को अलर्ट किया गया है। ग्राम सचिवों की भी ड्यूटी लगाई गई है। संभावित बाढ़ जैसी स्थिति से निपटने के लिए जिला प्रशासन ग्रामीणों के साथ खड़ा है, उनको किसी प्रकार की परेशानी नहीं आने दी जाएगी। जहां कहीं कमी नजर आ रही है उसे दूर करने का प्रयास किया जा रहा है।

जुलाना में 2850 एकड़ फसल जलमग्न, किसान परेशान

जुलाना। जुलाना क्षेत्र में बीते दिनों हुई बरसात के कारण किसानों की चिंता कम होने का नाम नही ले रही हैं। जुलाना के मालवी गांव में सबसे ज्यादा दो हजार एकड़ फसल में जलभराव हुआ है। बरसाती पानी निकालने के लिए नौ पंप सेट भी लगाए गए हैं लेकिन गत दिनों हुई बरसात से खेतों में तीन फीट तक जलभराव और हो गया। झमोला गांव में लगभग 500 एकड़ में जलभराव है। पानी निकासी तीन पंप लगाए गए हैं। निकासी की व्यवस्था तो कर दी गई है लेकिन ड्रेन ओवरफ्लो होने के कारण निकासी नही हो पा रही है। करेला गांव में लगभग 300 एकड़ खेतों में जलभराव है। निकासी के लिए 120 पंप पंप रिमुएबल और 42 पंप अलग अलग पंपहाउस पर दिन रात चल रहे हैं। खराब मौसम ने धरतीपुत्रों की चिंता बढ़ा दी है। अगर और बरसात होती है तो किसानों की फसल खराब हो जाएगी। किसानों की मांग है कि क्षर्तिपूर्ति पोर्टल को खोला जाए ताकि वो अपनी खराब हुई फसलों का पंजीकरण कर सकें। बार बार शिकायत देने के बाद भी पोर्टल को नही खोला जा रहा है।

स्थाई समाधान करेंगे

जुलाना से पूर्व भाजपा प्रत्याशी कैप्टन योगेश बैरागी ने कहा कि जुलाना में जलभराव की समस्या का स्थाई समाधान किया जाएगा। निकासी के लिए 12 किलोमीटर लंबी पाइप लाईन लगाई गई है। 162 पंप सेट दिन रात पानी की निकासी के लिए लगे हुए हैं। जल्द ही खेतों से पानी की निकासी हो जाएगी।

जींद। दाखिला लेने आए छात्र। फोटो :हरिभूमि

जींदः फिजिकल काउंसिलिंग से होंगे पीजी कोर्स में बची सीटों पर दाखिले

- दाखिले के लिए 12 सितंबर तक खोला पोर्टल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

उच्च शिक्षा विभाग ने यूजी व पीजी के द्वितीय और तृतीय वर्ष के साथ-साथ पीजी प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए दोबारा से पोर्टल खोला है। पोर्टल 12 सितंबर तक खुला रहेगा। इस दौरान विद्यार्थी कॉलेजों में विभिन्न कोर्सों में रिक्त सीटों पर दाखिले ले सकेंगे। पीजी प्रथम वर्ष के दाखिलों के लिए कॉलेजों में 12 सितंबर तक काउंसिलिंग करवाई जाएगी। विभाग के इस फैसले से उन विद्यार्थियों को राहत मिलेगी, जो किसी कारणवश दाखिले के लिए आवेदन नहीं कर पाए थे। पीजी कोर्स में बची सीटों पर फि जिकल काउंसिलिंग करवाई जाएंगी। काउंसिलिंग में भाग लेने वाली छात्राओं को मेरिट लिस्ट बनाई जाएगी और उसके बाद विद्यार्थियों को फीस भरनी होगी। बता दें कि पीजी कोर्स में दाखिले को लेकर उच्चतर शिक्षा विभाग द्वारा 31 जुलाई को पहली मेरिट लिस्ट जारी की गई थी। जिन विद्यार्थियों का नाम पहली मेरिट लिस्ट में आया था, उनके पास एक अगस्त से लेकर चार अगस्त तक फी स जमा करवाने का समय दिया गया था। फिर खाली बची सीटों पर दाखिले के लिए उच्चतर शिक्षा विभाग द्वारा छह अगस्त को दोबारा से पोर्टल खोला गया। छह अगस्त से लेकर 12 अगस्त तक 100 रुपये लेट फ ्रीस भर कर विद्यार्थी दाखिला ले सकते थे। इसके बाद भी विभिन्न कॉलेजों में कुछ संकायों में सीट खाली बची हुई हैं।

साइबर ठगों ने खल व्यापारी से चार लाख ठगे

- मोबाइल पर एपीके फाइल का लिंक भेज की ठगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

मामला दर्ज

शिकायतकर्ता ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्यवाही करने और उसके पैसे वापस दिलाने की मांग की। साइबर थाना एसएचओ सुभ्रांशु ने बताया कि पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

साइबर ठगों द्वारा पूंडरी में एक खल व्यापारी से करीब चार लाख की ठगने का मामला प्रकाश में आया है। इस मामले में एपीके फाइल का लिंक डाउनलोड करने के बाद क्रेडिट कार्ड से तीन लाख 89 हजार 500 रुपये कट गए है। आरोपी ने उसके मोबाइल पर एक मैसेज भेजा, जिसमें आरटीओ के नाम से एप्लिकेशन डाउनलोड करने के लिए कहा। अब इस मामले में व्यापारी ने साइबर थाना में शिकायत दी है। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। साइबर थाने में दी शिकायत में पूंडरी निवासी अमित बंसल ने बताया कि उसकी खल बिनौले की दुकान है। 12 अगस्त को उसके मोबाइल नंबर पर एक संदेश आया। इस संदेश में आरटीओ के नाम से एक एप्लिकेशन का लिंक आया आया हुआ था। इसमें लिखा था कि आपकी गाड़ी की चालान कट गया है। अपना फाइन भरने के लिए इस एप्लिकेशन को डाउनलोड करें। एप पर दे दी परमिशनः उस एप्लिकेशन की ओर से जो भी परमिशन मांगी गई, उसने उस एप को वो सभी परमिशन दे दी। बाद में उसके मोबाइल से सभी टेक्स्ट मैसेज एक मोबाइल नंबर पर जाने लगे। ऐसे में उसने एप्लिकेशन को डिलीट कर दिया। इसके कुछ समय बाद जब उसने अपने मोबाइल को चेक किया तो उसके बैंक खाते से अलग-अलग ट्रांजेक्शन होने के संदेश आए। इनमें कुल तीन लाख 89 हजार 500 रुपए उसके बैंक क्रेडिट कार्ड से कटे हुए थे। तब उसे शक हुआ कि उसके साथ साइबर फ्रॉड हुआ है।

चूरा पोस्त-अफीम रखने के आरोपी को किया बरी

कैथल। अतिरिक्त सेशन जज मोहित अग्रवाल ने चूरा पोस्त और अफीम रखने के एक मामले में संदेह का लाभ देते आरोपी को बरी कर दिया है। इस मामले में थाना शहर कैथल में 23 जून 2019 को एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा नंबर 269 दर्ज किया गया था। बचाव पक्ष की ओर से मुकदमे की पैरवी अजय गुप्ता और अर्पित गुप्ता एडवोकेट्स ने की। बताया कि शहर पुलिस की टीम नई अनाज मंडी जीन्द रोड कैथल पर मौजूद थी। पुलिस को सूचना मिली कि गाड़ी नंबर पीबी12टी-9884 पर चालक लखविन्द्र सिंह निवासी मौलवीवाला पंजाब इस गाड़ी में मध्य प्रदेश से नशीला पदार्थ तस्करी करता है।

लुटेरों ने चालक के हाथ व पांव बांधकर ऑटो और नकदी लूटी

- चालक की शिकायत पर दो अज्ञात के खिलाफ दर्ज किया लूट का मामला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

नरवाना स्टेशन से दो युवकों ने ऑटो किराये पर लेकर चालक के हाथ व पांव बांध कर गांव तारखां के निकट माइनर पटरी पर डाल दिया। जिसके बाद युवक चालक से नगदी, मोबाइल तथा ऑटो लूट कर फरार हो गए। शहर थाना नरवाना पुलिस ने चालक की शिकायत पर दो अज्ञात युवकों के खिलाफ लूट समेत विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पंजाबी चौक नरवाना निवासी सत्यवान ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीती देर रात वह ऑटो लेकर नरवाना रेलवे स्टेशन के बाहर सवारियों का इंतजार कर रहा था। मध्यरात्री के बाद दो युवक उसके पास आए और जींद चलने के लिए कहा। जिस पर उसने आठ सौ रुपये किराया मांगा। दोनों युवको ने खुद को जींद में अकेडमी के छात्र बताया। जिस पर उसने किराया कम कर छह सौ रुपये देने की बात कही। किराया तय होने के बाद वह दोनों को लेकर जींद के लिए रवाना हो गया। गांव तारखां माइनर पुल के निकट ऑटो को रूकवा कर माइनर पटरी पर कुछ दूरी पर चलने को कहा। वह सड़क से लगभग दो एकड़ पटरी पर चला था।

जींद। बैठक को संबोधित करते किसान नेता। फोटो :हरिभूमि

भाकियू ने अभद्र व्यवहार पर जताया रोष

जींद। भारतीय किसान यूनियन की बैठक शिव कॉलोनी स्थित किसान भवन में जयबीर लोहान की अध्यक्षता में हुई। जिला प्रधान बिंद्र नंबरदार, चंद्र जागलान, जिला प्रेस प्रवक्ता रामराजी दुल पोंकरीखेड़ी, छज्जूराम, रविंद्र व हरिओम ने कहा कि बैठक में सर्वसम्मति से फैसला लिया गया है कि भाकियू के प्रदेशाध्यक्ष रतन मान और जिला महासचिव राजेंद्र सिंह के साथ जो अभद्र व्यवहार रवि आजाद द्वारा किया गया है, उसकी निंदा की जाती है। रवि आजाद के खिलाफ सर्व सम्मति से प्रस्ताव पास किया गया है कि अगर वह भाकियू में रहता भी है तो जींद कार्यकारिणी उसके कार्यक्रम में शामिल नहीं होगी। भाकियू नेताओं ने कहा कि रवि आजाद द्वारा जिला अध्यक्ष बिंद्र नंबरदार के व्हाट्सअप पर भी गलत शब्दों का प्रयोग करते धमकी दी गई।

जींद डिपो में कुल दस एसी बसें, यात्रियों को मिलेगी सुविधा

जींद डिपो में पांच और नई एसी बसें शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद डिपो में पांच और नई एसी बस शामिल हो गई हैं। डिपो में आई पांच बस में से एक-एक बस को सफीदों व नरवाना उपकेंद्र में भेजे जाने को लेकर रोडवेज अधिकारी विचार विमर्श कर रहे हैं। अगर नरवाना व सफीदों उपकेंद्र में एसी बस भेजी जाती हैं तो यात्रियों को बेहतर परिवहन सुविधा मिलेगी। पिछले दिनों आई पांच एसी बस गुरुग्राम व चंडीगढ़ रूट पर चलाया जा रहा है। शुरू में आई पांच नई एसी बसों को 16 अगस्त को डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा व रोडवेज महाप्रबंधक राहुल जैन ने हरी झंडी दिखा कर रवाना किया था। पांच में से तीन बस चंडीगढ़ और दो बस गुरुग्राम रूट पर चल रही है। जींद डिपो में लगभग 170 साधारण बसें हैं। इनमें एक भी एसी बस नहीं थी। यात्रियों द्वारा लंबे रूटों पर एसी बसों की डिमांड की जा रही थी। जींद से चंडीगढ़, दिल्ली व गुरुग्राम के अलावा हरिद्वार, ऋषिकेश, देहरादून, पांवटा साहिब, सालासर, बालाजी, अमृतसर और लुधियाना जैसे लंबे रूटों पर भी साधारण बसें ही जा रही हैं। इन रूटों पर यात्रियों के लिए गर्मी के मौसम में एसी बस की जरूरत महसूस की जा रही थी। जींद डिपो प्रबंधन ने भी दस एसी बसों की डिमांड मुख्यालय भेजी हुई थी। 15 अगस्त को डिपो के बेड़े में पांच एसी बस मुख्यालय द्वारा भेजी गई थी।

जींद। जींद डिपो में शामिल एसी बसें। फोटो :हरिभूमि

जल्द ही बस ऑनरूट होंगी

जींद डिपो के डीआई जसमेर ने बताया कि जींद डिपो में पांच और नई एसी बस आ चुकी हैं। ऐसे में यात्रियों को बेहतर परिवहन सुविधा मिल सके गी। महाप्रंबधक व अन्य अधिकारियों से विचार विमर्श कर नई बसों का रूट निर्धारित किया जाएगा। पांच नई बस जो आई हैं उसमें से एक.एक बस सफीदों व नरवाना उपकेंद्र में भेजने बारे में महाप्रबंधक से विचार विमर्श होगा। जल्द ही बस ऑनरूट होंगी।

नशा तस्कर महिला पौने चार माह बाद काबू,पूछताछ जारी

- पुलिस ने महिला के मकान से बरामद किया था 48 .350 किलोग्राम गांजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

गांव धमतान साहिब में पुलिस द्वारा नशा तस्करी की फरार चल रही आरोपित महिला तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपित महिला जून माह में पुलिस छापेमारी की भनक लगने पर फरार होने मे कामयाब हो गई थी।

पुलिस ने महिला के घर से 48 किलो 350 ग्राम गांजा बरामद किया था। पुलिस आरोपित नशा तस्कर महिला से नशे के नेटवर्क के बारे मे पूछताछ कर रही है। सीआईए स्टाफ ने गत 11 जून को सूचना के आधार पर नशा तस्करी को लेकर गांव धमतान साहिब निवासी सुनीता के मकान पर छापेमारी की थी। छापे की भनक मिलने पर सुनीता फरार होने मे कामयाब हो गई थी। गांव के मौजिज लोगों की मौजूदगी में पुलिस ने मकान में तलाशी अभियान चलाया तो आंगन में लगे दो नीम के पेडों के बीच मिट्टी खोदी हुई दिखाई दी। जिस पर दो सोफे रखे हुए थे। पुलिस कर्मियों ने सोफे तथा मिट्टी को हटा कर देखा तो उसमें तीन ड्रम दबे मिले। जिसमें कुछ कट्टे भरे गए थे।

खबर संक्षेप

सराहनीय कार्यों के लिए सूरज का किया सम्मान

जींद। माजसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले देशभर के 15 चुनिंदा समाजसेवियों को नेशनल सोशल आइकॉन अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया। समारोह यूथ सोशलग्राम फाउंडेशन के चौथे स्थापना दिवस के अवसर पर एसएस जैन सुबोध पीजी कॉलेज जयपुर में आयोजित हुआ। समारोह में फतेहगढ़ निवासी सूरज को सामाजिक कार्यों जैसे असहाय बच्चों के लिए शिक्षा सामग्री और कपड़े वितरित करना सहित अन्य कार्यों के लिए सम्मानित किया।

इन्वर्टर, बैट्री समेत अन्य सामान चोरी

जींद। गांव कालवा में बीती रात चोरों ने खेत में बने कमरे का ताला तोड़ कर इन्वर्टर, बैटरी, पेस्टीसाइड समेत अन्य सामान को चोरी कर लिया। पिल्लूखेड़ा थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव कालवा निवासी तेजवीर ने पुलिस को शिकायत दी है।

अलग-अलग स्थानों से दो महिला बच्चे सहित लापता

जींद। अलग-अलग स्थानों से बच्चे समेत दो महिलाओं के संदिग्ध हालात में गायब होने पर संबंधित थाना पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किया है। गांव बेरीखेड़ा निवासी व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत दिवस उसकी 28 वर्षीय पत्नी घर से गायब हो गई। वहीं खतला निवासी व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत दिवस उसकी पत्नी तीन वर्षीय बेटी के साथ गायब हो गई।

लंबित मांगों को लेकर प्रदर्शन कल होगा

उचाना। उपमंडल परिसर में मनरेगा मेट एसोसिएशन की मीटिंग हुई। मीटिंग में फैसला लिया गया कि एक सितंबर को मांगों को लेकर प्रदर्शन किया जाएगा। ब्लॉक प्रधान उचाना नरेश छातर ने बताया कि मनरेगा में जो सफाई कार्य बंद हो चुके हैं उनको दोबारा से शुरू करवाने की मांग को लेकर एसडीएम उचाना के माध्यम से सीएम के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा।

बैकवर्ड धर्मशाला उचाना प्रधान का चुनाव सात को

उचाना। उचाना शहर के बैंक कॉम्प्लेक्स के पास स्थित बैकवर्ड धर्मशाला में मीटिंग आयोजित हुई। मीटिंग का उद्देश्य बैकवर्ड धर्मशाला प्रधान एवं कार्यकारिणी का गठन था। सर्वसम्मति से फैसला लिया गया कि सात सितंबर को धर्मशाला में प्रधान का चुनाव होगा। प्रधान रिषिराम ने बताया कि धर्मशाला के कार्यों को सुचारू रूप से चलाने एवं विकास को तेजी देने के लिए नई कार्यकारिणी का गठन जरूरी है।

जींद में पांच सितंबर को जिला स्तरीय सम्मेलन

जींद। जननायक जनता पार्टी के जिला प्रवक्ता विकास जागंड़ा ने बताया कि पांच सितंबर को श्री कृष्णा गार्डन में आयोजित जिला स्तरीय सम्मेलन में मुख्यअतिथि के तौर पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अजय सिंह चौटाला, पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला, प्रदेशाध्यक्ष ब्रज शर्मा कार्यकर्ताओं के साथ बैठक लेंगे। सभी जिलों में कार्यकर्ता सम्मेलन किया जाएगा।

अनिल बने भाकियू जिला महासचिव

उचाना। भारतीय किसान यूनियन (एकता सिदधूपुर) द्वारा गठित की गई जिला कार्यकारिणी में अनिल बैनीवाल उचाना खुर्द को महासचिव की जिम्मेदारी दी गई। बैनीवाल ने कहा कि जो जिम्मेदारी जिला महासचिव मनोनित कर सौंपी है वो उसको निष्ठा से निभाने का काम करेंगे। किसानों, मजदूरों की आवाज को निष्ठा, ईमानदारी के साथ बुलंद करेंगे।

डूमरखा कलां से कलायत बैठक में पहुंचे कांग्रेसी

उचाना। कलायत में कांग्रेस जन अभियान के तहत आयोजित मीटिंग में कांग्रेस कार्यकर्ता डूमरखां कलां गांव से पैदल कलायत तक हाथों में तिरंगा लेकर पहुंचे। करीब 20 किलोमीटर की पैदल यात्रा में डीजे के गीतों पर झूमते हुए कार्यकर्ता निकले। रास्ते में आने वाले गांवों में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पैदल यात्रा का स्वागत किया।

रिद्धि सिद्धि क्लब ने धूमधाम से किया गणपति का विसर्जन

गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ के जयकारों से गूंजा जींद

डिप्टी स्पीकर सहित सभी श्रद्धालुओं ने भगवान गणपति को दी विदाई

श्रद्धालुओं ने गणपति का विसर्जन जींद-हांसी ब्रांच में किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

रिद्धि सिद्धि क्लब द्वारा राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल के खेल मैदान में आयोजित गणपति महोत्सव का तीसरा दिन भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। रात को गायक अमित सैनी ने भक्ति गीतों से माहौल को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के तौर पर हांसी के विधायक विनोद भयाना, गोहाना नगर परिषद की चेयरमैन रजनी विरमानी और इंद्रजीत विरमानी रहे। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने भगवान गणपति की विधिवत पूजा अर्चना से की। शनिवार को गाजे-बाजे के साथ श्रद्धालुओं ने भगवान गणपति का विसर्जन जींद-हांसी ब्रांच नहर में किया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ के जयकारे लगाए। इससे पहले श्री गणेश की पूजा-अर्चना की गई। श्रद्धालुगण श्री गणेश प्रतिमा को पालकी में विराजित करके नहर की तरफ चले। पूरे रास्ते श्रद्धालु ढोल की थाप पर नाचते-गाते व रंग-गुलाल उड़ाते हुए साथ चले। महिलाएं यात्रा में मंगल गीत का रही थी। नहर पर पहुंच कर श्री गणेश प्रतिमा को चलते पानी में विसर्जित कर दिया गया। रिद्धि सिद्धि क्लब के प्रधान सुभाष अनेजा और संरक्षक राजन चिल्लाना ने मुख्यअतिथियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य लोगों ने भगवान गणपति की महिमा का बखान करते हुए उन्हें विघ्नहर्ता और सिद्धिदाता के रूप में पूजा। महोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया और भगवान गणेश से सुख व समृद्धि की कामना की। मुख्यअतिथियों ने कहा कि शुभारंभ और मंगल के प्रतीक विघ्नहर्ता गणपति जीवन में ही नही समाज और राष्ट्र के मार्ग में आने वाली हर बाधा को दूर करने का संदेश देते है।

जींद। गणपति का विसर्जन करते डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा। फोटो :हरिभूमि

भगवान गणेश प्रथम पूजा के अधिकारीः मिड्ढा

हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने कहा कि भगवान गणेश प्रथम पूजा के अधिकारी हैं और इनकी पूजा के बिना कोई कार्य सिद्ध नही होता। भगवान गजानन का नाम विघ्नहर्ता भी है और इनको शिव-पार्वती व अन्य देवताओं से अनेकों वरदान प्राप्त हैं। जिस भक्त पर इनकी कृपा दृष्टि पड़ती है या इनका वास होता है, वहां पर धनधान्य की वर्षा होने लगती है। इस स्थान पर साक्षात मां लक्ष्मी का वास रहता है। भगवान विघ्नहर्ता श्री गणेश जी का ध्यान करने से और सच्चे मन से अराधना करने से जीवन के सभी कष्ट दूर हो जाते हैं।

हरियाणा सरकार के पेंशनर्स के कैशलेस हेल्थ कार्ड बनने शुरू

■ कर्मचारियों की लंबे समय से मांग थी कि कैशलेस सुविधा उपलब्ध करवाई जाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नरवाना

हरियाणा सरकार द्वारा प्रदेश के सरकारी कर्मचारियों और पेंशनरों को दी कैशलेस इलाज की सुविधा के तहत पेंशनर्स के कैशलेस हेल्थ कार्ड बनने शुरू हो गए हैं। हरियाणा गवर्नमेंट स्कूल प्रिंसिपल्ज एसो के पूर्व महासचिव रघु भूषण लाल गुप्ता ने दी। बताया कि सरकार प्रदेश के सरकारी कर्मचारियों, पेंशनर्स और उनके परिवार के सदस्यों को चिकित्सा सुविधा मुहैया करवाती है। जिसके तहत इलाज करवाने के लिए पहले उन्हें जेब से भुगतान करना पड़ता था और उसके बाद सरकार से उसकी प्रतिपूर्ति लेनी होती थी। गुप्ता ने बताया कि कर्मचारियों की लंबे समय से यह मांग थी कि उन्हें कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाई जाए। सरकार ने गत वर्ष जून में प्रदेश के कर्मचारियों, पेंशनर्स और उनके आश्रितों लिए कॉमप्रिहेंसिव कैशलेस हेल्थ फैसिलिटी स्कीम लागू की थी। जिसके तहत सरकारी कर्मचारियों, पेंशनरों और उनके परिवार के सदस्यों को सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त अस्पतालों से बिना कोई अग्रिम भुगतान किया चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाने का प्रावधान किया गया था। स्कीम के तहत कैशलेस इलाज की सुविधा का लाभ उठाने के लिए कर्मचारियों और पेंशनर्स को आयुष्मान कार्ड की तर्ज पर कैशलेस हेल्थ कार्ड जारी किए जाने थे। उन्होंने बताया कि स्कीम लागू होने के बाद सरकारी कर्मचारियों के कैशलेस हेल्थ कार्ड तो तुरंत बनने शुरू हो गए थे परंतु पेंशनर्स के कार्ड नहीं बन पा रहे थे।

जींद। डे लॉग बाजार का शुभारंभ करते प्राचार्य सत्यवान मलिक। फोटो :हरिभूमि

पोस्टर मेकिंग में खुशी अव्वल

जींद। राजकीय महाविद्यालय में शनिवार को पर्यावरण संरक्षण को समर्पित डे लॉग बाजार का भव्य आयोजन हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन प्राचार्य सत्यवान मलिक ने किया और मुख्य अतिथि जेसी मान रहे। एक दिवसीय प्रदर्शनी में विद्यार्थियों द्वारा लगाए गए नौ स्टॉलों में पर्यावरणीय संवेदनशीलता, रचनात्मकता और सांस्कृतिक धरोहर का सुंदर संगम देखने को मिला। प्राचार्य सत्यवान मलिक ने कहा कि यह आयोजन हमें सिखाता है कि छोटे-छोटे प्रयास भी बड़े बदलाव ला सकते हैं। वर्मीकम्पोस्ट से मिट्टी की उर्वरता बढ़ाना, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट से अनुपयोगी वस्तुओं को उपयोगी बनाना और हर्बल पौधों से वायु शोधन एवं प्रदूषण नियंत्रण, यह सभी हमें याद दिलाते हैं कि प्रकृति के साथ संतुलन बना कर ही हम आने वाली पीढ़ियों को एक स्वस्थ और स्वच्छ धरती दे सकते हैं। इस मौके पर पोस्टर मेकिंग कंपटीशन में खुशी बीए द्वितीय वर्ष ने प्रथम स्थान, पूनम बीए तृतीय वर्ष ने द्वितीय स्थान तथा प्रिंस बीए प्रथम वर्ष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कैबिनेट मंत्री बेदी हथो में सुनेंगे मन की बात कार्यक्रम

नरवाना। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी रविवार तथा सोमवार को दो दिन नरवाना विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर रहेंगे। कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी रविवार को प्रातः 10.30 बजे हथो गांव में पहुंचेंगे। कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो पर प्रसारित मन की बात कार्यक्रम सुनेंगे। यह कार्यक्रम बूथ नंबर 166 पर गांव के सरपंच एवं मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र के निवास पर प्रसारित होगा। तत्पश्चात कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी दोपहर 12 बजे गांव दनौदा स्थित सर्वजातीय बिनैण खाप चबूतरा पर पहुंचेंगे। चबूतरा पर नैशनल सुपर स्पेशलिटी अस्पताल एवं लोटस डायग्नोस्टिक द्वारा लगाए जाने वाले विशाल स्वास्थ्य जागरूकता एवं जांच शिविर में कैबिनेट मंत्री बतौर मुख्यअतिथि शिरकत करेंगे। सोमवार को बडनपुर में आयोजित पाबूजी महाराज जयंती समारोह में कैबिनेट मंत्री बेदी मुख्य अतिथि होंगे।

वेदों के सिद्धांतों पर चलेंः आचार्य दयानंद

उचाना। राष्ट्रीय आर्य निर्मात्री सभा जींद के द्वारा उचाना की ब्राह्मण धर्मशाला में दो दिवसीय सत्र का आयोजन किया। सत्र में आचार्य दयानंद ने वेदों के अनुसार ईश्वर के वास्तविक स्वरूप बताया। वेद ही ईश्वर की संविधान हैए वेद ही सृष्टि का नियम है, वेद ही जीवन को सफल बनाने का मार्ग है। सत्य मार्ग हमें वेदों ने दिखाया है। वेद के अनुसार ही हमारा जीवन होना चाहिए। वेद की आज्ञाओं का पालन करना ही धर्म है और वेद की आज्ञाओ का उल्लंघन करना ही अधर्म है। आचार्य ने अतीत व वर्तमान में समाज व राष्ट्र की परिस्थितियों का अवलोकन करवाया। अतीत में हमारा समाज व राष्ट्र कितना सुखी, समृद्ध, उन्नत, वैभवशाली, गौरवशाली था। किन किन कारणों में से हमारा पतन हुआ और अंततरू गुलामी को प्राप्त हुए। उन कारणों को उद्घघाटित किया। यदि हमें पुनःअपने समाज व राष्ट्र को उन्नत और सुखी बनाना है तो वेदों के अनुसार चलना ही पड़ेगा। यदि व्यक्ति, परिवार, समाज व राष्ट्र को सुरक्षित करना है तो वेद के अनुसार ही चलना होगा। बिना वेद उन्नति संभव नहीं है।

उचाना। वेदों की जानकारी देते आचार्य दयानंद सरस्वती। फोटो :हरिभूमि

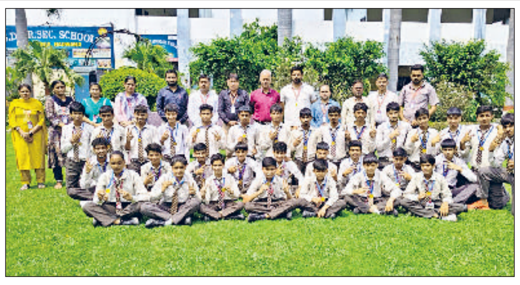

एसडी स्कूल में विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करते प्रिंसिपल रामफल चहल।

खेलों को अपनाने के लिए किया प्रेरित

नरवाना। सनातन धर्म वमावि में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता में विजेता खिलाडियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया। प्राचार्य रामफल चहल ने बताया कि खिलाड़ियों ने कोच प्रवीण नैन के मार्गदर्शन में कई खेलों में जीत हासिल कर स्कूल का नाम रोशन किया। उन्होंने बताया कि 1500 मीटर में अतुल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त हॉकी के अंडर 14 और अंडर 17 में टीम विजेता बनीए बॉक्सिंग में 50 किलोभार वर्ग में जन्नत प्रथम, शूटिंग में हितेश प्रथम और क्रिकेट के अंडर 19 में शामिल खिलाड़ी आरती, रिशु की टीम दूसरे स्थान पर रही। कोच प्रवीण नैन ने बताया कि जिला स्तरीय प्रतियोगिता में 48 खिलाड़ियों ने पदक प्राप्त किए। जो कि काबिले तारीफ है। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर स्कूल प्रशासक एसडीएम जगदीश चंद्र ने प्राचार्य, कोच और स्टाफ सदस्यों को बधाई देते खेलों को अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया।

रोजगार मेले का आयोजन

जींद। राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में रोजगार मेले का आयोजन किया गया। रोजगार मेले में राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नगूरां के चार छात्रों ने भाग लिया। इनमें से दो छात्र सुमित और सन्नी का एआर एंटरप्राइजिज बद्दी सोलन हिमाचल प्रदेश तथा दो छात्र रवि और अमन का एएमएमएस कंपनी में चयन हुआ। प्राचार्य विजेंद्र सिंह और वोकेशनल टीचर राजेश कौशिक ने चारों छात्रों को नियुक्ति पत्र वितरित किए और छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की। इस मौके पर विद्यालय प्राचार्य, वोकेशनल टीचर राजेश कौशिक व समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

जींद। कार्यक्रम में भाग लेते स्कूल स्टाफ। फोटो :हरिभूमि

फुटबाल टीम के विजेता खिलाड़ी प्रिंसिपल बलजीत गोयत के साथ।

फुटबॉल अंडर 17 में जिला स्तर पर लहराया परचम

नरवाना। पीएम श्री राजकीय वमावि नरवाना में आयोजित जिला स्तरीय स्कूल गेम्स में राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बेलरखा ने अंडर 17 लड़कों की फुटबॉल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान किया। अध्यापक प्रदीप जागलान ने बताया कि विद्यालय की इस शानदार उपलब्धि पर प्रधानाचार्य बलजीत गोयत ने शारीरिक शिक्षा प्राध्यापक विजेंद्र, कोच सतपाल बिढान तथा विजयी विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की मेहनत, टीम भावना और अनुशासन का परिणाम है। विद्यालय प्रबंधन समिति के प्रधान अमित कुमार, पूर्व प्रधान सूबेदार सुखबीर शर्मा, बलजीत शर्मा एवं रघु गोयत ने टीम को बधाई देते कहा कि प्रधानाचार्य बलजीत गोयत के कुशल नेतृत्व में ये ग्रामीण आंचल का विद्यालय शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी निरंतर अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

वेदांता इंटरनेशनल स्कूल में उप विजेता रहे खिलाड़ियों के साथ स्कूल डायरैक्टर प्रदीप नैन।

वेदांता की बेसबॉल टीम ने द्वितीय

नरवाना। जिला स्तरीय एसजीएफआई खेलों में वेदांता इंटरनैशनल स्कूल कलौदा खुर्द की अंडर 17 बेसबॉल टीम ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। प्रधानाचार्य वीना डारा ने बताया कि खिलाडियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया। यह प्रतियोगिता जींद में आयोजित हुई थी। इस उपलब्धि पर बच्चों के साथ-साथ उनके अभिभावकों को भी बधाई दी गई। विद्यालय की कोच मेनका डीपीकी विशेष रूप से सराहना की गई। जिनके मार्गदर्शन से विद्यालय की अंडर 14 एवं अंडर 17 दोनों टीमों ने शानदार खेल दिखाया। विद्यालय के निदेशक प्रदीप नैन और चेयरमैन रवि श्योकंद ने सभी खिलाडियों को शुभकामनाएं दी और कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। उन्होंने बेसबॉल कोच मेनका को भी विशेष बधाई दी। विद्यालय में बच्चों को सम्मानित किया गया।

नशे से जीवन हो रहा बर्बादः मीना

■ छात्राओं को नशा मुक्ति अभियान के तहत जागरूक किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

स्थानीय महाराजा अग्रसेन कन्या वमावि में ब्रह्मकुमारी से बहन मीना व बहन कविता ने 12वीं की छात्राओं को नशा मुक्ति अभियान के तहत जागरूक किया। बताया कि युवाओं में बढ़ती हुई नशा प्रवृत्ति जो कि हमारे जीवन को खोखला बनाती जा रही है। स्वस्थ युवा ही भारत को विकसित करने में सक्षम है। नशा दुव्र्यसन की वजह से मनुष्य अनेक बीमारियों से ग्रस्त हो जाता है। हमें स्वयं व अपने परिवार और आस पड़ोस को इस दुव्र्यसन से बचने की शिक्षा देनी चाहिए। आज हमारे बच्चे मोबाइल व्यसन से ग्रस्त होते जा रहे हैं। हमें इस व्यसन से स्वयं को मुक्त करते हुए केवल एकाग्र होकर अपनी पढ़ाई की तरफ ध्यान देना है। मन में कभी भी नकारात्मक विचारों को हावी नहीं होने देना चाहिए। सकारात्मक विचारों की शक्ति ही हमारी तरक्की का द्वार खोलने में सक्षम है। गीता में भी कहा गया है कि मन के हारे हार है, मन के जीते जीत।_ बहन कविता ने ध्यान विधि से मन को एकाग्र करना सिखाया। विद्यालय प्रधान महावीर गुप्ता ने कहा मनुष्य परिस्थितियों का दास नही। यदि हमारे अंदर मनोबल है तो हम हर परिस्थिति का सामना करने में सक्षम हो जाते हैं।

जींद। छात्राओं को जागरूक करते ब्रह्माकुमारी बहनें। फोटो :हरिभूमि

उचाना। प्रदेशस्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित प्रतिभागी। फोटो :हरिभूमि

लोधर स्कूल के खिलाड़ी छाए

उचाना। पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय लोधर ने जिला स्तरीय स्कूली खेलकूद प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया है। स्कूल के खिलाड़ियों ने कुल 31 पदक जीते। जिनमें 16 स्वर्ण, 12 रजत और तीन कांस्य पदक शामिल हैं। डीपीई मुनीत बेरवाल ने बताया कि कराटे में स्कूल का प्रदर्शन सबसे बेहतर रहा। इस खेल में 13 स्वर्ण, आठ रजत और दो कांस्य पदक जीते गए। एथलेटिक्स में विद्यार्थियों ने एक स्वर्ण, चार रजत और 1 कांस्य पदक हासिल किए। ताइक्वांडो में भी स्कूल को 1 स्वर्ण पदक मिला। बेरवाल ने बताया कि कराटे में उज्जवल, आरजू, रिया, शिवानी, मनीषा, अनु, निशु, निक्की, मीनाक्षी, काजल, खुशबू, शिवम और शिवकुमार ने स्वर्ण पदक जीते। ताइक्वांडो में लविश ने स्वर्ण पदक जीता। एथलेटिक्स में मुस्कान ने स्वर्ण पदक हासिल किया।

हॉकी के जादूगर की जयंती के उपलक्ष पर राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया

हॉकी मैच में शहीद भगत सिंह क्लब विजयी

■ मेजर ध्यानचंद के जीवन से प्रेरणा लेकर अनुशासन, मेहनत को अपना मूल मंत्र बनाना चाहिए : देवेंद्र अत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नरवाना

हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष पर नवदीप स्टेडियम में राष्ट्रीय खेल दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ देर सायं हुआ। कार्यक्रम में उचाना के विधायक देवेंद्र चतुर्भुज अत्री ने बतौर मुख्यअतिथि शिरकत की। विधायक ने सर्वप्रथम मेजर ध्यानचंद के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। स्टेडियम में उपस्थित खिलाडियों और खेल प्रेमियों को संबोधित करते हुए विधायक अत्री ने कहा कि मेजर ध्यानचंद केवल भारत ही नही बल्कि पूरी दुनिया के लिए खेलों के प्रेरणा स्रोत हैं। उन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी हॉकी को नई पहचान दिलाई और भारत का नाम ओलंपिक खेलों में स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज कराया। उन्होंने कहा कि आज के युवाओं को मेजर ध्यानचंद के जीवन से प्रेरणा लेकर अनुशासन, मेहनत और लगन को अपना मूल मंत्र बनाना चाहिए। खेल केवल जीत-हार तक सीमित नहीं है बल्कि यह जीवन में स्वास्थ्य, आत्मविश्वास और टीम भावना को मजबूत करने का सबसे सशक्त माध्यम है। विधायक अत्री ने खिलाड़ियों से आह्वान किया कि वे नशे जैसी बुराइयों से दूर रह कर खेल को जीवन का हिस्सा बनाएं।

जींद। नवदीप स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में विधायक देवेंद्र अत्री को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते आयोजक। फोटो :हरिभूमि

ये रहे मौजूद

शहीद भगत सिंह क्लब व उधम सिंह क्लब की हॉकी टीमों के खिलाड़ियों के साथ हाथ मिला कर मुख्य अतिथि ने हॉकी मैच का शुभारंभ करवाया। इस मैच में शहीद भगत सिंह क्लब की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस दौरान राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया गया। इस मौके पर जिला खेल अधिकारी रामपाल हुड्डा, हॉकी क्लब प्रधान भारत भूषण, तहसीलदार निखिल सिंगला, नवदीप स्टेडियम इंचार्ज संदीप गोयत व रोहतास पीटीआई मौजूद रहे।

जींद। वालीवाल खेलते छात्र। फोटो :हरिभूमि

राजकीय कालेज में हुई प्रतियोगिताएं

जींद। राजकीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय खेल दिवस का शुभारंभ प्राचार्य सत्यवान मलिक ने किया। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय खेल सप्ताह 31 अगस्त तक आयोजित रहेगा। उन्होंने कहा कि यह आयोजन महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती को समर्पित है। खेल सप्ताह के अंतर्गत विविध प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। 29 अगस्त को महिला स्टाफ के लिए रस्साकशी और पुरुष स्टाफ के लिए वॉलीबॉल मैच हुए। 30 अगस्त को छात्राओं के लिए बास्केटबॉल तथा छात्रों के लिए वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इन अवसरों पर विद्यार्थियों को खेलों के महत्व से अवगत कराते हुए नियमित रूप से खेल गतिविधियों में भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया ताकि वे स्वस्थ और सक्रिय जीवनशैली अपना सकें। दोनों प्रतियोगिताओं में निर्णायक की भूमिका डा. सतीश मलिक एवं डा. कृष्ण श्योकंद ने निभाई।

खबर संक्षेप

सांसद नवीन जिंदल ने युवाओं को दी खेल किट

कलायत। कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र के सांसद नवीन जिंदल द्वारा कलायत शहर के युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करने को खेलों का सामान भेंट किया गया। भाजपा मंडल अध्यक्ष राजीव राजपूत की अध्यक्षता में जिंदल टीम द्वारा युवाओं को नशे और अन्य बुराइयों से दूर रखने के मकसद से यह तोफा दिया। राजीव राजपूत ने कहा कि सांसद नवीन जिंदल का मानना है कि स्वस्थ और अनुशासित युवा ही विकसित भारत अभियान के सच्चे सहभागी बन सकते हैं। युवा खेलों के माध्यम से ही प्रदेश व देश का नाम रोशन कर सकते हैं। शहर के लोगों ने नवीन जिंदल के इस कदम का आभार प्रकट किया।

खेल दिवस पर शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन

कैथल । डॉ. भीमराव अंबेडकर राजकीय महाविद्यालय में आज राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत कॉलेज विद्यार्थियों और प्राध्यापकों के मध्य शतरंज की प्रतियोगिता कराई गई। इस अवसर पर कॉलेज प्राचार्य डॉ मनोज कुमार भांभू ने कहा विद्यार्थियों में खेलों के प्रति जुनून होना चाहिए। हार और जीत तो जिन्दगी के दो पहलू हैं इसलिए विद्यार्थियों को बिना हार-जीत की परवाह किये खेलों में हिस्सा लेना चाहिए ।

डीएवी पब्लिक स्कूल सीवन में रक्तदान शिविर

सीवन। डीएवी पब्लिक स्कूल सीवन में आर्य प्रतिनिधि सभा नई दिल्ली के दिशा-निर्देशानुसार वार्षिक रक्तदान शिविर का आयोजन बड़े उत्साह और सामाजिक एकता के साथ किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष हेमलता सैनी ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की, कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की प्राचार्या डॉ. मीना मेहता ने की। शिविर में विद्यालय के अभिभावकों, नगर के गणमान्य व्यक्तियों, युवाओं तथा समाजसेवियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि हेमलता सैनी ने रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया।

सीवन के शांति मोहल्ला में गणपति महोत्सव

भजनों की संध्या में गूंजे श्रद्धा के स्वर

सीवन। भजन संध्या में भजन गाती गायिक। *फोटो : हरिभूमि*

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ सीवन

नगर के शांति मोहल्ला में चल रहे श्री गणपति महोत्सव के अंतर्गत शुक्रवार रात एक भव्य संकीर्तन संध्या का आयोजन किया गया। यह संकीर्तन श्री लाडली श्याम की दीवानी संकीर्तन मंडल की ओर से प्रस्तुत किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में भाग लेकर भक्तिमय माहौल को और भी आध्यात्मिक बना दिया। समिति सदस्य राहुल कक्कड़ ने जानकारी देते हुए बताया कि शांति मोहल्ला सेवा समिति हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी गणपति महोत्सव बड़े धूमधाम और धार्मिक श्रद्धा के साथ मना रही है। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन अलग-अलग संकीर्तन मंडल यहां पहुंचकर भजन संध्या का आयोजन करते हैं, जिससे वातावरण में भक्ति और उल्लास का संचार होता है। भजन संध्या में प्रसिद्ध भजन गायिका गिन्नी मिढा ने जब "तुम ना सुनोगे तो कौन सुनेगा हमारी" भजन गाया तो पूरा पंडाल तालियों और जयकारों से गूंज उठा। श्रद्धालु भजनों की मधुर धुन पर झूमते और नृत्य करते नजर आए। इसी क्रम में भजन गायिका पूनम ने भी अपनी मधुर वाणी से भजनों की प्रस्तुति दी, जिसने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया।

भव्य झांकी प्रस्तुति की

कार्यक्रम की विशेष आकर्षण भगवान शिव और माता पार्वती की सुंदर झांकी रही, जिसे देखकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। झांकी को भव्य सजावट के साथ प्रस्तुत किया गया, जिसने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। पूरे आयोजन के दौरान गणपति बप्पा के जयकारे लगातार गूंजते रहे। कार्यक्रम के समापन पर भगवान गणपति जी की आरती की गई व प्रसाद का वितरण किया गया। इस अवसर पर निखिल, रमेश, मिंटू, अंजू, मीना, वीणा, दीपा सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे। सभी ने मिलकर भगवान गणपति जी से सुख-समृद्धि और मंगल की कामना की।

श्री गणपति बप्पा का आशीर्वाद प्राप्त करना अत्यंत पुण्य : डॉ. रेखा रानी

■ नगर पालिका से जुड़े विकास कार्यों को लेकर चर्चा हुई

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ गुहला चीका

चीका नगरपालिका की चेयरपर्सन डॉ. रेखा रानी ने बताया कि उन्हें हरियाणा सरकार के माननीय स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल द्वारा आयोजित भव्य गणेश महोत्सव में भाग लेने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने इसे एक दिव्य और आध्यात्मिक अनुभव बताते हुए कहा कि श्री गणपति बप्पा का आशीर्वाद प्राप्त करना अत्यंत पुण्य अवसर था। डॉ. रेखा रानी ने बताया कि इस अवसर पर विपुल गोयल से चीका शहर की नगर पालिका से जुड़े विभिन्न विकास कार्यों को लेकर भी सार्थक चर्चा हुई। शहर के विकास, साफ-सफाई, जल निकासी व्यवस्था व नई योजनाओं के क्रियान्वयन जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया गया।

गुहला चीका। विपुल गोयल से मुलाकात करते डॉक्टर रेखा रानी चेयरपर्सन के साथ अन्य पार्षद।

यह रहे मौजूद

इस दौरान डॉ. रेखा रानी के साथ पूर्व चेयरमैन रणधीर सिंह, पार्षद राजेश कुमार, पार्षद अमरीका सिंह, पार्षद सुभाष और पार्षद संभालू जिंदल भी उपस्थित रहे। सभी जनप्रतिनिधियों ने मिलकर चीका के चहुंमुखी विकास की प्रतिबद्धता दोहराई।

जिला पुलिस का जन-जागरूकता कार्यक्रम लगातार जारी

युवाओं को नशे की गिरफ्त से दूर रखना व स्वस्थ समाज का निर्माण करना लक्ष्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

"नशा मुक्त हो जिला" विशेष अभियान पूरे जिले में व्यापक स्तर पर चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत पुलिस टीमें लगातार गांव-गांव, ढाणियों, चौपालों, शैक्षणिक संस्थानों और सार्वजनिक स्थलों पर जाकर लोगों को नशे से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में विस्तारपूर्वक जागरूक कर रही हैं। इस अभियान का प्रमुख उद्देश्य केवल नशा तस्करों की गिरफ्तारी और अवैध कारोबार पर शिकंजा कसना ही नहीं है, बल्कि समाज के हर वर्ग – विशेषकर युवाओं और विद्यार्थियों – को नशे की गिरफ्त से दूर रखना और स्वस्थ समाज का निर्माण करना भी है। इस अभियान में गठित पुलिस जागरूकता टीम में एसआई कर्मबीर, एएसआई ओमप्रकाश, एचसी सुनील कुमार, महिला सिपाही किस्मत, एसपीओ राजपाल तथा एसपीओ प्रदीप कुमार शामिल हैं। यह टीम प्रतिदिन कई गांवों व संस्थानों का दौरा कर वहां उपस्थित आमजन, विद्यार्थियों और अभिभावकों को संबोधित कर रही है। लोगों को बताया जा रहा है कि नशा व्यक्ति की शारीरिक क्षमता को कमजोर करता है, मानसिक संतुलन बिगाड़ता है, पारिवारिक रिश्तों को तोड़ता है और सामाजिक प्रतिष्ठा को भी खत्म कर देता है। युवाओं को समझाया जा रहा है कि नशे की लत भविष्य को अंधकारमय बना देती है।

टीम ने गांवों व संस्थानों का दौरा किया

कैथल। ग्रामीणों को जागरूक करते पुलिस कर्मचारी

1933 हेल्पलाइन नंबर

एसपी स्पष्ट कहा "नशे से बचना ही सबसे बड़ी समझदारी है। कोई भी व्यक्ति नशा तस्करी या नशे से जुड़ी गतिविधियों की जानकारी तुरंत **MANAS**- हेल्पलाइन नंबर 1933 पर साझा कर सकता है। सूचना देने वाले की पहचान गुप्त रखी जाएगी।

एड्स जागरूकता पर प्रेरणादायक नाटक का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजौंद

आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल जाखौली में शनिवार को एड्स जागरूकता विषय पर एक जोशीला और भावनात्मक नाटक प्रस्तुत किया गया। इस नाटक का आयोजन विद्यालय के प्रिंसिपल ओम प्रकाश शर्मा के मार्गदर्शन में किया गया। विद्यालय के सभी स्टाफ सदस्यों ने पूरे उत्साह और जिम्मेदारी के साथ सहयोग दिया। विद्यार्थियों ने मंच पर अपने शानदार अभिनय से दर्शकों के दिलों को छू लिया और सभी को गहराई से सोचने पर मजबूर कर दिया । इस दौरान प्रिंसिपल ओम प्रकाश शर्मा ने कहा कि एड्स जैसी गंभीर बीमारी से बचाव का सबसे बड़ा हथियार जागरूकता है। यदि विद्यार्थी आज से ही सही जानकारी प्राप्त करेंगे तो कल का समाज स्वस्थ और सुरक्षित बनेगा। शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं बल्कि ऐसे सामाजिक संदेशों से भी जीवन को दिशा मिलती है।

दूसरों की खुशियों में शामिल होने से समाज में समरसता आती है और आपसी भेद-भाव कम होते हैं

एमडीएन ग्लोबल स्कूल कैथल में कार्यक्रम

शिक्षकों के लिए मी टु वी विशेष प्रशिक्षण सत्र का आयोजन

कैथल। एमडीएन ग्लोबल स्कूल, कैथल में मी टू मी कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

एमडीएन ग्लोबल स्कूल, कैथल में जेसीआई इंडिया के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जेएफएस सुमित गोयल के मार्गदर्शन में शिक्षकों के लिए एक विशेष प्रशिक्षण सत्र "मी टु वी" का आयोजन किया गया। इस सत्र का उद्देश्य शिक्षकों को यह समझाना था कि व्यक्तिगत सोच (मी) से सामूहिक जिम्मेदारी (वी) की ओर बढ़ना ही वास्तविक प्रगति और सफलता की कुंजी है।

सत्र के दौरान जेएफएस सुमित गोयल ने जीवन्त उदाहरणों, प्रेरणादायी कहानियों और विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से यह संदेश दिया कि शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षक तभी प्रभावी भूमिका निभा सकते हैं जब वे आत्मकेंद्रित दृष्टिकोण से हटकर सहयोग, नेतृत्व और टीम भावना को अपनाएँ। उन्होंने समझाया कि शिक्षा केवल ज्ञान प्रदान करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज और राष्ट्र निर्माण का आधार है।

प्रेरणादायी बताया

प्रशिक्षण सत्र में एमडीएन ग्लोबल स्कूल के सभी शिक्षकों ने सक्रिय भागीदारी की। चर्चा और इंटरैक्टिव गतिविधियों के माध्यम से उन्होंने अनुभव साझा किए और यह स्वीकार किया कि "हम" की सोच से ही एकजुट होकर शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ पाई जा सकती हैं। इस अवसर पर विद्यालय के डायरेक्टर डॉ विनोद कुमार चेयरपर्सन निधि कंसल, मैनेजर गौरव गर्ग तथा प्रिंसिपल डॉ. संत कौशिक ने सत्र को अत्यंत उपयोगी और प्रेरणादायी बताया।

इन्वेस्टमेंट के नाम पर प्रॉफिट का लालच देकर साइबर फ्रॉड बनाते ठगी का शिकार: एसपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

तकनीक के इस युग में लगभग हर व्यक्ति कंप्यूटर अथवा मोबाइल से जुड़ा हुआ है। ऐसे में साइबर अपराधी भी अपराध करने के नये नये तरीके अपना रहे है । आए दिन लोग साइबर ठगी का शिकार हो रहे हैं। साइबर ठगों द्वारा सोशल मीडिया पर लोगों को विभिन्न प्रकार के प्रलोभन देकर ठगी की वारदातों को अंजाम दिया जा रहा है इनमे से एक इन्वेस्टमेंट के नाम पर ज्यादा प्रॉफिट का लालच देकर लोगों के साथ पैसे की ठगी करने का नया तरीका सामने आया है।

एसपी आस्था मोदी ने जानकारी देते हुए बताया कि साइबर ठग विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इन्वेस्टमेंट के विज्ञापन देते है, जिसमें उनके द्वारा इन्वेस्टमेंट करने पर बड़ा प्रॉफिट देने की बात कही जाती है। आमजन प्रॉफिट के लालच में उनके उस लिंक पर क्लिक करता है। साइबर अपराधियों द्वारा व्हाट्सएप या टेलीग्राम ग्रुप ज्वाइन करवा लिया जाता है। ठग टर्म एंड कंडीशन समझाते हुए इन्वेस्टमेंट करने के लिए कहते है। आमजन द्वारा पूंजी इन्वेस्टमेंट करने पर ठगों द्वारा मोबाइल फोन में एक एप्प भी डाउनलोड करवाया जाता है, जिसमें इन्वेस्टमेंट व प्रॉफिट संबंधी जानकारी लगातार दिखाई देती रहती है।

मटौर के रजत मौन ने रचा स्वर्णिम इतिहास

कैथल। गांव मटौर के रजत मौन ने एनआइईएलआइटी- राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकस एवम सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान- में वैज्ञानिक (तकनीकी) के पद पर आयोजित परीक्षा में पूरे भारत वर्ष में 14 रैंक हासिल करके जिला कैथल व हरियाणा का नाम रोशन किया है। यह प्रतियोगी परीक्षा पूरे देश में केंद्रीय सूचना मंत्रालय भारत सरकार के अधीनस्थ एनआइईएलआइटी द्वारा आयोजित की जाती हैं। यह संस्थान इलेक्ट्रॉनिकस और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र अब शिक्षा प्रशिक्षण एवं अनुसंधान विकास का कार्य करती है। रजत मौन ने अपनी स्कूली शिक्षा ओएसडीएवी स्कूल कैथल से ग्रहण करने पश्चात यूनिवर्सिटीज ऑफ़ पैट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज देहरादून से बी टेक कंप्यूटर इंजीनियर की डिग्री हासिल की। दो वर्ष तक लगातार मेहनत से तैयारी करके देश में 14 वां स्थान प्राप्त किया।

सीवन को बड़ी सौगात

33 केवी सब-स्टेशन की मंजूरी अब बिजली समस्या होगी दूर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सीवन

सीवनवासियों को लंबे समय से चली आ रही बिजली समस्या से राहत मिलने जा रही है। नगर पालिका सीवन के मनोनीत पार्षद बलविंदर जांगड़ा के लगातार प्रयासों का नतीजा है कि सीवन को अब 33 के.वी. सब-स्टेशन की सौगात मिली है जल्द ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

इस उपलब्धि के लिए बलविंदर जांगड़ा ने मुख्यमंत्री हरियाणा नायब सिंह सैनी और बिजली मंत्री अनिल विज का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह सीवनवासियों की वर्षों पुरानी मांग थी, जिसके लिए उन्होंने लगातार पैरवी की और

अब जाकर यह सपना पूरा होने जा रहा है। जांगड़ा ने बताया कि वर्तमान में सीवन शहर को 132 के.वी. पावर हाउस से बिजली आपूर्ति मिलती है, लेकिन इससे जुड़े कई गांव होने के कारण फॉल्ट आने पर पूरे शहर की आपूर्ति बाधित हो जाती है। नए सब-स्टेशन के शुरू होने से शहर को स्वतंत्र आपूर्ति मिलेगी और व्यापारियों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों को बार-बार की कटौती व फॉल्ट से छुटकारा मिलेगा।

सीवन में स्वच्छता अभियान

नगर पालिका अध्यक्षा, सचिव और पार्षदों ने खुद थामी झाड़ू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सीवन

हरियाणा सरकार द्वारा चलाए जा रहे हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान के तहत नगर पालिका सीवन की ओर से शनिवार को नगर के डी ए वी कॉलोनी वार्ड नंबर 1 में स्वच्छता अभियान की शुरुआत की गई। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्षा हेम लता सैनी, सचिव दीपक कुमार, नगर पालिका के समस्त कर्मचारी, पार्षद एवं कई समाजसेवी मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्षा हेम लता सैनी व सचिव दीपक कुमार ने स्वयं झाड़ू लगाकर किया और लोगों को स्वच्छता बनाए रखने का संदेश दिया।

11 सप्ताह का विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा

कैथल। सीवन में वार्ड नंबर 1 से स्वच्छता अभियान की शुरुआत करते नगर पालिका कर्मचारी व पार्षद। फोटो : हरिभूमि

सचिव दीपक कुमार ने बताया कि प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार 11 सप्ताह का विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है, जो 7 नवंबर 2025 तक जारी रहेगा। इस अवधि में प्रत्येक वार्ड में गहन सफाई कार्य किए जाएंगे। इसके लिए विशेष रूप से रचना प्रबंधन, कचरे का पृथक्करण (सूखा और गीला कचरा अलग-अलग), खाली पड़े प्लॉटों की सफाई, जागरूकता अभियान और कचरा इकट्ठा करने की बेहतर व्यवस्था पर जोर दिया जाएगा।

योग व्यायामशालाओ में करवाए खेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

आयुष विभाग एवं हरियाणा योग आयोग के संयुक्त तत्वाधान में जिला कैथल की योग व्यायामशालाओ में खेलों में आमजन की भागीदारी बढ़ाने एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए योगासन,खो-खो,कब्बड्डी खेलो का आयोजन किया जा रहा है। डॉ.शकुंतला दहिया जिला आयुर्वेदिक अधिकारी ने बताया कि खेल मंत्रालय "हर गली,हर मैदान,खेले सारा हिन्दुस्तान/ अभियान के तहत हरियाणा सरकार योग व्यायामशालाओ में पारम्परिक खेल योगासन,खो-खो,कब्बड्डी का आयोजन 29,30,31 अगस्त 2025 को सुबह शाम कैथल के गांवों स्तर पर बनी योग व्यायामशालाओ में आयुष योग सहायकों,खेल नर्सरियों,ग्राम पंचायतों एवं ग्राम समितियों के माध्यम से आयोजन किया जा रहा है। 30 अगस्त को गांव पाई,हरसोला, चौशाला, करोड़ा, संगतपुरा, जाजनपुर, बरसाना,छोत आदि 36 योग व्यायामशालाओ में खेलों का आयोजन किया गया। गांव पाई में आयुष योग सहायक करनैल सिंह, बरसाना में विवेक कुमार, संगतपुरा में सोहनलाल आदि योग सहायकों के माध्यम से खेलो का आयोजन करवाया जा रहा है।

बच्चों-आमजन को खेलो से जोड़ना उद्देश्य: दहिया

सभी योग व्यायामशालाओ में खेलों का आयोजन डॉ.राजेंद्र कुमार जिला योग कार्डिनेटर एवं योग विशेषज्ञ की देख रेख में किया जा रहा है। डॉ.शकुंतला दहिया ने बताया कि योग व्यायामशालाओ के माध्यम से बच्चों एवं आमजन को खेलो से जोड़ने का उद्देश्य युवा पीढ़ी को नशे से दूर रखना एवं खेलो में रुचि बढ़ने से अपने शारीरिक ,मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को बढ़ाना है।

नपा चेयरपर्सन बबली गोस्वामी ने की बतौर मुख्य अतिथि शिरकत

वॉलीबॉल टूर्नामेंट में खिलाड़ियों ने दिखाई प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पूंडरी

हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद जी की स्मृति में एवं राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष में शनिवार को इनडोर आउटडोर स्टेडियम पूंडरी में वॉलीबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। इस टूर्नामेंट में पूंडरी नगर पालिका चेयरपर्सन बबली गोस्वामी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस दौरान शिक्षा विभाग और खेल विभाग के बीच में वॉलीबॉल व फुटबॉल मैच का आयोजन किया गया। नगर पालिका चेयरपर्सन प्रतिनिधि राकेश गोस्वामी ने बच्चों को खेलों में आगे बढ़ते हुए अपने भविष्य को संवारने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि हम सभी को खेलों में जरूर भाग लेना चाहिए। इससे हमारा स्वास्थ्य ही ठीक नहीं होगा बल्कि हम अपने क्षेत्र और देश का नाम रोशन कर सकेंगे। खेल को खेल की भावना से ही खेलना चाहिए। सरकार द्वारा खेलों में मेडल प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की जाती है। इस दौरान खेल प्रशिक्षक कर्मवीर, वॉलीबॉल कोच कुलविंदर, राजीव, प्रवीण, गीता, वॉलीबॉल कोच संजीव, राजवीर, ओमप्रकाश, धर्म सिंह, राजेश, गुरमीत कोच भी मौजूद रहे

पूंडरी। नगर पालिका चेयरपर्सन बबली गोस्वामी खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए।

कुश्ती में प्रतीक रहा प्रथम

राजौंद। बिरला ओपन माइंड इंटरनेशनल स्कूल में कुश्ती अकादमी के बच्चों ने जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया। गुरु गोबिंद सिंह स्टेडियम खानपुर में आयोजित अंडर 14 ,17,19 के जी भार वर्ग की कुश्ती प्रतियोगिता में प्रतीक 45 किलो भार वर्ग में आर्यन, 68 किलो भार वर्ग में परीक्षित ने 75 किलो भार वर्ग में विशाल ने 38 किलो भार वर्ग में लखविंद्र ने 55 किलो भार वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर पूर्व एमसी सतनाम सिंह व पवन पहलवान तथा नरेंद्र प्रजापत, जयपाल आर्य हरियाणा पुलिस, कोच सालिद्र ने इन खिलाड़ियों का नक्द राशि देकर सम्मानित किया। इस दौरान स्कूल प्रधानाचार्य शीशपाल ने बताया कि यह बच्चें पहले भी नेशनल लेवल तक जा चुके हैं और यह बच्चों और कोच राकेश की कड़ी मेहनत का ही परिणाम है।

NOTICE

I, Balkar S/o Sh. Bhajan Singh R/o Ramsa Patti VPO Pai, Distt. Kaithal declare that I have changed my name from Balkar to Balkar Singh. Balkar and Balkar Singh are the same person. I may be called Balkar Singh in future for all purposes.

खबर संक्षेप

मुकेश सुदकैन प्रधान कुलदीप बने महासचिव

उचाना। भगवान वाल्मीकी भवन एवं छात्रावास पालवा उचाना निर्माण कमेटी का गठन वाल्मीकि चौपाल पालवां उचाना में किया गया। मुकेश सुदकैन भगवान वाल्मिकी भवन एवं छात्रावास उचाना के प्रधान बनाए गए। विनोद पालवां वरिष्ठ उपाध्यक्ष, कुलदीप कसूहन महासचिव, सतीश बड़ौदा वित्त सचिव, अशोक थुआ ऑडिटर, सुल्तान पालवां संगठन सचिव, शमशेर फौजी पालवां, विनोद भौंगरा को कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त किए गए। सत्यवान ढिलौड, ओमप्रकाश सरपंच छात्तर, संजीव वैद बधाना, कुलदीप झील, सुरेश उदयपुरए नरेश छात्तर को शामिल किया गया।

जयराम गोशाला : 25वां वार्षिक समारोह आज

पूंडरी। जयराम आदेश गोशाला में 25वां वार्षिक समारोह रविवार 31 अगस्त को धूमधाम से मनाया जाएगा। गोशाला समिति ने सभी गौभक्तों से समय पर पहुँचकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने का आह्वान किया है। गोशाला प्रबंधन के सचिव अजित सिंह रायका ने जानकारी दी कि कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 8 बजे हवन से होगा। इसके बाद 10 बजे सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे और 11 बजे प्रसाद वितरण किया जाएगा। समारोह की अध्यक्षता हल्का विधायक सतपाल जांबा करेंगे, जबकि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अहिरवाल क्षेत्र के गोसेवक बलवान शर्मा होंगे।

शहर में निकाली पांचवी निशान यात्रा

उचाना। श्री सांवरिया फैन क्लब उचाना मंडी द्वारा पांचवी विशाल निशान यात्रा शहर में निकाली गई। लितानी रोड अंडर पास स्थित बाला जी मंदिर से शुरू होकर ये निशान यात्रा लितानी रोड से होते हुए पुरानी मंडी के रास्ते महाराजा अग्रसेन मंदिर के पास संपन्न हुई। निशान यात्रा में श्रद्धालु बाबा श्याम के गीत मेरा जी लागै से खाटू मै, हारे का सहारा श्याम, रिंगस के मोड गीत पर खूब झूमे। रंग गुलाल उड़ा कर यात्रा को हर्षोल्लास से शहर में निकाला गया।

लजवाना कलां में चलाया पौधरोपण अभियान

जुलाना। क्षेत्र के लजवाना कलां गांव में ग्राम पंचायत ने पौधरोपण अभियान चलाया। ग्रामीणों ने गांव में लगभग 400 पौधे लगाए। गांव के सरपंच सतीश कुमार उर्फ सोल्जर ने कहा कि बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग को रोकने का एक मात्र उपाय अधिक से अधिक पौधारोपण करना ही है। जब तक एक पौधा बड़ा होकर पेड़ नही बन जाता तब तक उसकी संभाल एक बच्चे की तरह करनी चाहिए। सतीश कुमार ने कहा कि गांव में 1100 पौधे लगाए जाएंगे।

डिबेट प्रतियोगिता, छात्रों ने दिखाई अपनी प्रतिभा

पूंडरी। राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की ओर से डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल पूंडरी में डिबेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के क्षेत्रीय प्रबंधक हरपाल सिंह, सीनियर मैनेजर के.सी. अटकन, एच.आर. विशेषज्ञ डॉ. कार्तिक मित्तल, शाखा प्रबंधक भोखर चंद,पूनम देवी और पूजा विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल की प्रिंसिपल साधना बख्शी और प्रधयापक सुशील कुमार ने अतिथियों का स्वागत कर किया।

दाद, खाज, खुजली, फंगस फुंसी, लाल दाने का बढ़ा संक्रमण

बरसात के मौसम में चर्म रोगियों की बढ़ी संख्या

प्रतिदिन सौ से अधिक मरीज उपचार व पूछताछ के लिए पहुंच रहे अस्पताल

- वृद्धों और बच्चों को आ रही और ज्यादा समस्या
- मौसम में सभी स्किन केयर का रखें विशेष ख्याल : डा. भोला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

बरसात का मौसम से जहां मौसम सुहाना बना हुआ है वहीं दूसरी तरफ त्वचा से जुड़ी बीमारियों (चर्म रोग) के रोगियों क संख्या भी बढ़ा रहा है। जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल की बात की जाए तो दाद, खाज, खुजली, एथलीट फुट और फंगल, फुंसी, लाल दाने संक्रमण से पीड़ित मरीज उपचार व पूछताछ के लिए अस्पताल पहुंच रहे हैं। हालांकि अस्पताल में चरम रोग विशेषज्ञ नही है। बावजूद इसके ओपीडी में आने वाले मरीजों का जनरल चिकित्सकों द्वारा उपचार किया जा रहा है और उन्हें बारिश के मौसम में रखरखाव को लेकर भी जागरूक किया जा रहा है। इस समय सौ से अधिक मरीज प्रतिदिन उपचार व पूछताछ के लिए अस्पताल आ रहे हैं।

जींद। नागरिक अस्पताल में दवा लेने के लिए लाइन में लगे लोग। फोटो: हरिभूमि

बच्चे और बुजुर्ग रहें सतर्क

नागरिक अस्पताल के डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला ने बताया कि बारिश का मौसम में चिपचिपाहट बढ़ जाती है। विशेषकर बच्चों और बुजुर्गों को इससे सतर्क रहना चाहिए। स्वास्थ्य विभाग द्वारा डेंगू, मलेरिया बीमारी को लेकर जहां आमजन को जागरूक किया जा र हा है वहीं उन्हें त्वचा की देखभाल के प्रति जागरूक किया जा रहा है। जिससे कम से कम लोगों को चर्म रोग की समस्या हो। पानी में भीगने, गीले कपड़े पहनने से बचना चाहिए और शरीर को सही ढंग से न

फंगल इंफेक्शन के लक्षण

त्वचा पर लाल दाग या चकते, लगातार खुजली या जलन, फोड़े या फफोले, त्वचा पर बदबू या सडन, त्वचा पर रैशेज होना, पपड़ी आना या खाल निकलना, दरार आना, लाल होना, दाने निकलना, सफेद पाउडर की तरह पदार्थ आना, नाखून का रंग उडना, मोटे होना या टूटना, खुजली होना, सफेद धब्बे होना, त्वचा के नीचे दर्द रहित गांठ होना, दुर्गंध आना, मांसपेशियों में दर्द रहना है।

बारिश का मौसम

सेंस्टिव लोगों को रहती है अधिक समस्या

पिछले एक पखवाड़े से बारिश का मौसम है। ऐसे में खारिश की की समस्या बुजुर्गों से लेकर बच्चों तक को परेशान करती है लेकिन त्वचा पर खुजली का खतरा कुछ खास लोगों को ज्यादा स्किन सेंसिटिव लोगों को होता है। इसके अलावा डायबिटीज मरीजों को, बच्चे और बुजुर्ग जिनकी त्वचा पतली हो, जिनको अधिक पसीना आता हो, पर्सनल हाइजीन अच्छी नहीं हो और बारिश में भीगने के बाद ज्यादा देर तक गीले कपड़े पहनने वालों को चर्म रोग होने की अधिक संभावना होती है।

ऐसे करें बचाव

भीगने के बाद शरीर को अच्छी तरह सुखाएं, गीले कपड़ों में देर तक न रहें। रोजाना स्नान करें और एंटी फंगल पाउडर का प्रयोग करें। जूते और जुराब सूखे और साफ रखें। दूसरों की तोलिया, कपड़े, साबुन या कंघी का प्रयोग न करें, त्वचा पर संक्रमण दिखे तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। प्रतिदिन तीन से चार लीटर पानी पीएं। मौसमी फल और सब्जियों का अधिक सेवन करें। जहां तक हो सके शरीर को साफ रखें। नहाते समय शरीर को ज्यादा न रगड़ें व ज्यादा गर्म चीजों का सेवन करने से बचें। अगर कोई दाद, खाज, खुजली या अन्य कोई समस्या होती है तो चिकित्सक की सलाह लेकर उपचार कराना चाहिए।

खेल केवल स्वास्थ्य के लिए नहीं जीवन जीने को भी आवश्यक

पूंडरी। कार्यक्रम को संबोधित करते कार्यकारी प्राचार्य डॉ. राजेश तुरान।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

- डीएवी कॉलेज में खेत उत्सव पर कार्यक्रम का आयोजन।

डी.ए.वी. कॉलेज पुंडरी में आज खेल दिवस बड़े ही उत्साह और जोश के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कॉलेज के कार्यकारी प्राचार्य डॉ. राजेश तुरान ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की और विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए खेलों के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि खेल न केवल हमारे शारीरिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक हैं, बल्कि ये जीवन में अनुशासन, आत्मविश्वास, आपसी सहयोग और टीम भावना का विकास भी करते हैं। विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी बढ चढ़कर हिस्सा लें, ताकि उनका सर्वांगीण विकास हो सके। इसके बाद कॉलेज के शारीरिक शिक्षा के व्याख्याता नीरज कुमार ने विद्यार्थियों को खेल दिवस के इतिहास के बारे में बताते हुए कहा कि खेल दिवस हम हॉकी के जादुगर मेजर ध्यानचंद जी के जन्मदिवस के उपलक्ष में मनाते है जिन्होने भारत को अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक में कई बार गोल्ड मेडल दिलवा,और पूरे विश्व में भारत का परचम लहराया।

हाईकोर्ट ने जल जीवन मिशन जिला सलाहकारों की सेवा समाप्त करने के आदेश पर रोक लगाई

कैथल। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने हरियाणा सरकार के उस निर्णय पर रोक लगा दी है जिसमें जल जीवन मिशन के तहत कार्यरत जिला सलाहकारों की सेवाएं समाप्त करने का आदेश दिया गया था। सरकार ने यह आदेश इस आधार पर दिया था कि योजना 31 मार्च के बाद आगे नहीं बढ़ाई गई, जबकि 16 जून को केंद्र सरकार की ओर से जारी पत्र में इसे दिसंबर 2028 तक जारी रखने की घोषणा की गई थी। न्यायमूर्ति संदीप मूदगिल ने यह आदेश दीपक कुमार और अन्य जिला सलाहकारों की ओर से दाखिल याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान दिया। ये याचिकाकर्ता 14 मार्च 2012 के विज्ञापन के आधार पर चयनित हुए थे।

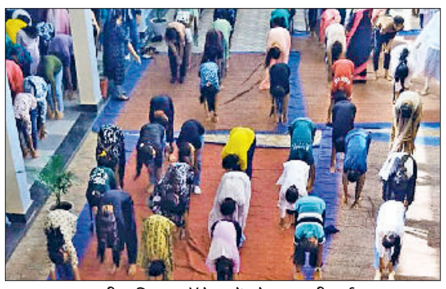

नरवाना। एसडी महिला कॉलेज में योग करती हुई छात्राएं।

एसडी महिला कॉलेज में छात्राओं को करवाया योग का अभ्यास

नरवाना। सनातन धर्म महिला महाविद्यालय में मेजर ध्यानचंद के जन्मदिन के उपलक्ष में तीन दिवसीय राष्ट्रीय खेल कूद दिवस के दूसरे दिन को बड़ी धूमधाम से मनाया गया। जिसकी अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या डा. अंजना लोहान ने की। महाविद्यालय के सभी स्टाफ सदस्य व छात्राओं ने उच्चतर शिक्षा विभाग पंचकूला हरियाणा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। महाविद्यालय की प्राचार्या ने बताया कि खेल हमारे जीवन के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने मेजर ध्यानचंद के बारे में भी छात्राओं को बताया। उन्होंने बताया कि खेल से हम जीवन में बहुत आगे बढ़ सकते हैं और अपना नाम कमा सकते हैं। हमें अपने शरीर को मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत बनाना चाहिए और हमें अपने परिवार समाज को भी खेल प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए जागरूक करना चाहिए। महाविद्यालय की छात्राओं को सबसे पहले योग करवाया गया।

भाजपा ने विकास में बनाए नए आयाम

- विधानसभा प्रभारी बनाने पर देवेन्द्र चतुर्भुज अत्रि का कोटड़ा गांव हुआ सम्मान समारोह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

उचाना विधायक देवेंद्र चतुर्भुज अत्रि ने कहा कि भाजपा सरकार ने देश व प्रदेश में विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है। भाजपा सरकार जो वायदे करती है उन्हें जमीनी स्तर पर लागू करके प्रदेश की जनता के दिलों पर राज करती है। विधायक ने अखिल भारतीय शहीद सम्मान संघर्ष समिति के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष सुरेश शर्मा कोटड़ा द्वारा आयोजित भव्य सम्मान समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा भाजपा नेतृत्व द्वारा कलायत विधानसभा का प्रभारी नियुक्त किए जाने के उपलक्ष में यह सम्मान समारोह किया गया। समारोह में जिलाध्यक्ष ज्योति सैनी, पूर्व मंत्री कमलेश ढांडा और पूर्व विधायक लीलाराम गुर्जर भी शामिल हुए। संयोजक सुरेश कोटड़ा, सरपंच मीना, प्रतिनिधि सतबीर कल्याण, ब्राह्मांण धर्मशाला के प्रधान विक्की शर्मा, संजीव शर्मा एडिशन डायरेक्टर एचकेआरएनएल ने अतिथियों का स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया। विधायक देवेंद्र चतुर्भुज अत्रि ने कहा कि यह मेरे लिए परम सौभाग्य की बात है कि कलायत हलके की 36 बिरादरी द्वारा यह सम्मान मुझे दिया गया।

कैथल। कोटड़ा में सम्मान समारोह में मंचासीन देवेन्द्र चतुर्भुज अत्रि, सुरेश कोटड़ा, कमलेश ढांडा, लीला राम, ज्योति सैनी। फोटो: हरिभूमि

मनोरंजन किया

हरियाणवी कलाकार राजबाला व उनकी पार्टी ने उपस्थित भीड़ का रागनियों के माध्यम से मनोरंजन किया। कलाकारों द्वारा अतिथियों का स्वागत भी एक भजन के माध्यम से किया गया। मंच का संचालन रामनिवास शर्मा हांसी ने किया। कार्यक्रम में पहुंचे लोगों ने रागनी कलाकारों पर खूब धन वर्षा की।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर प्रधान विक्की शर्मा, पार्षद कमलेश शर्मा, मन्नू पहलवान, कपिल दीक्षित, मुनीष शर्मा, अशोक शर्मा सेरधा, धर्मपाल भारद्वाज, सतीश शर्मा सिरटा, मीना सरपंच कोटड़ा, भीम सेन अग्रवाल, सतबीर बाबा लदाना, अभीजीत जोशी, रोहताश ढिल्लो, कर्ण सिंह नेहरा, भाजपा नेता तुषार ढांडा, विवेक खोखरी, सुनील शर्मा सरपंच बदनारा, बंटी शर्मा पार्षद, राजू डोहर, नेत्रपाल शर्मा इत्यादि उपस्थित रहे।

जुलाना। कैंप में रक्तदाताओं को बैज लगाते भाजपा नेता कैप्टन योगेश बैरागी। फोटो: हरिभूमि

रक्तदान से बचा सकते हैं जरूरतमंद अनजान व्यक्ति की जान: कैप्टन

जुलाना। जुलाना कस्बे के हिंदू सीनियर सकेंडरी स्कुल में सुखदेई अपना घर फाउंडेशन जुलाना के तत्वाधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर में मुख्यातिथि भाजपा के प्रत्याशी रहे कैप्टन योगेश बैरागी ने रक्तादाताओं को बैज लगा कर होंसला बढ़ाते हुए कहा कि रक्तदान करने से हम किसी भी जरूरत अनजान व्यक्ति की जान बचा सकते है। रक्तदान शिविर में मुख्यरूप से ब्राह्मण सभा के प्रधान देवेंद्र शर्मा, समाज सेवी आनंद लाठर, त्रिलोकी राम शास्त्री ने पहुंच कर युवाओं को रक्तदान के प्रति प्रेरित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुखदेई अपना घर संस्था की अध्यक्ष दीप्ती वत्स ने करते हुए रक्तदान करने वाले युवाओं को अपने अनुभव साँझा किए। शिविर में 64 यूनिट रक्त इव_। किया गया। कैप्टन योगेश बैरागी ने कहा कि लोगों द्वारा रक्त दान करने से मनुष्य की सेहत में सुधार, दिल की बीमारियों और स्ट्रोक के खतरे को कम माना जाता है। खून में आयरन की ज्यादा मात्रा दिल के दौरे के खतरे को बढ़ा सकती है।

लख दाता लाला वाला पीर की मजार पर लगा विशाल मेला

राजौंद। संतोख माजरा रोड पर स्थित आस्था व श्रद्धा के केंद्र लख दाता लाला वाला पीर की मजार पर विशाल मेला लगा। मेले में पुरा दिन श्रद्धालुओं ने पीर बाबा सुल्तान की मजार पर पूजा अर्चना कर मत्था टेक मन्नतें मांगी। जानकारी देते हुए आयोजको ने बताया कि यह मेला भाद्र पद मास की अमावस्या के बाद आने वाले गुरुवार को मंडवाल रोड पर स्थित बाबा मखदून,राजू पीर की मजार पर लगता है। जबकि उससे अगले दिन संतोख माजरा रोड पर स्थित लख दाता लाला वाला पीर की मजार पर प्राचीन काल से ही मेले का आयोजन होता आ रहा है। नगर के साथ-साथ आसपास के गांवों के श्रद्धालु भी पुरी श्रद्धा के साथ सिर झुकाने के लिए पहुंचते हैं। मेले में छोटी छोटी दुकानें सजी हुई थी। सभी महिलाओं एवं बच्चों ने अपनी अपनी मन पसंद की वस्तुएं एवं खिलौनों की खरीदें।

राजौंद। मेले में मन पसंद की वस्तुएं एवं खिलौनों की खरीद दारी करे हुए।

कलायत में लगा छडि़यों का वार्षिक मेला

- संगठन कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने डाली आहुति।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कलायत

कलायत में शनिवार को छडि़यों का वार्षिक लगा। श्री जाहरवीर गोगा पीर मेडी प्राचीन स्थल पर आयोजित मेले को प्रति हर वर्ष बड़े श्रद्धा व उत्साह से मनाया जाता है। जैसे ही छडि़यों के जत्थे मंदिर परिसर की तरफ बढ़ते हैं वैसे ही पूरे क्षेत्र में धार्मिक वातावरण बन जाता है। धार्मिक आयोजन की शुरूआत श्री कपिल मुनि ज्योतिष एवं रत्न केंद्र प्रमुख विशाल शांडिल्य द्वारा की गई। इस दौरान सुरेंद्र राणा, हरिओम, राहुल राणा, शिवम, मोकम राणा, रवींद्र राणा, निर्मल राणा, रवि राणा, जाहरवीर सेवा समिति व विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी-कार्यकर्ता द्वारा हवन में आहुति डाली गई। सुरक्षा एवं व्यवस्था की दृष्टि से पुलिस बल थाना प्रबंधक रामनिवास शर्मा की अगुवाई में गतिशील रहे।

कलायत। श्री जाहरवीर गोगा पीर धार्मिक स्थल पर हवन परंपरा का निर्वहन करवाते पंडित विशाल शांडिल्य। फोटो: हरिभूमि

मेले में लोक संस्कृति की मिली झलक

भव्य मेले में खरीदारी, झूले, खानपान के स्टॉल और लोक संस्कृति की झलक भी देखने को मिलती है। मेले में खेल-खिलाडियों को बढ़ावा देने के लिए परंपरागत दंगल प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाता है। इसमें दूर-दूर से पहलवान भाग लेते हैं। इससे युवा वर्ग को खेलों के प्रति प्रेरणा मिलती है। इस वर्ष मेले की शुरुआत श्री कपिल मुनि ज्योतिष एवं रत्न केंद्र प्रमुख विशाल शांडिल्य द्वारा करवाए गए निशान पूजन के साथ हुई, जो इस पवित्र परंपरा का एक अहम हिस्सा है।

नरवाना में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन सुनाया ध्रुव, प्रहलाद और वामन का प्रसंग

नरवाना। श्री सिद्धि विनायक सेवा समिति नरवाना द्वारा आयोजित दसवें गणपति उत्सव के दौरान करवाई जा रही श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन शनिवार को कथावाचक छबीले छैल बिहारी जी महाराज द्वारा ध्रुरव भक्त प्रहलाद और वामन भगवान के प्रसंग सुनाए। उन्होंने बताया कि यह तीनों भगवान विष्णु से संबंधित हैं और श्रीमद् भागवत कथा में वर्णित हैं। भक्त प्रहलाद नरसिंह अवतार के समय हिरण्यकश्यप के पुत्र थे। ध्रुरव एक राजा के पुत्र थे। जिन्होंने तपस्या से विष्णु को प्रसन्न किया और वामन भगवान विष्णु के पांचवे अवतार थेए जिन्होंने राजा बलि के अहंकार को नष्ट किया। उन्होंने बताया कि ध्रुरव जो है वह राजा उत्तानपाद के पुत्र थे, जिन्होंने अपनी विमाता सुरुचि के कहने पर पिता की गोद से हटाए जाने पर वन में जाकर कठिन तपस्या की थी। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान विष्णु ने उन्हें दर्शन दिए और वरदान दिया थाए जिससे ध्रुरव को बैकुंठ लोक प्राप्त हुआ। ध्रुव के चरित्र से जीवन में सीख मिलती है कि भक्ति के लिए आयु कोई बाधा नहीं है और बचपन से ही प्रभु भक्ति करनी चाहिए। इसके बाद उन्होंने भक्त प्रहलाद के चरित्र को लेकर बताया कि प्रहलाद हिरण्यकश्यप के पुत्र और भगवान विष्णु के परम भक्त हुआ करते थे। जिन्होंने अपने पिता के अत्याचारों के बावजूद भक्ति का मार्ग नहीं छोड़ा।

नरवाना। पुरानी अनाज मंडी में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में कथा सुनाते हुए कथा वाचक छबीले छैल बिहारी जी महाराज व उपस्थितगण। फोटो: हरिभूमि

सीसी बनाई जाएंगी गांव की मुख्य सड़क : चेयरमैन कर्मबीर कौल

अब नहीं उड़ेगी धूल, कौल को मिली वाटर टैंक की सौगात

- महापुरुषों के जयंती समारोह, शादी, भंडारे व अन्य कार्यक्रमों में नि :शुल्क मिलेगा पानी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| ढांड

ग्राम पंचायत कौल को जिला परिषद कैथल की ओर से वाटर टैंकर की सौगात दी गई है। अब गाँव में महापुरुषों की जयंती, किसी भी प्रकार का भंडारा, शादी या अन्य सामाजिक कार्यक्रमों के लिए निःशुल्क पानी की सुविधा उपलब्ध रहेगी। जिला परिषद कैथल के चेयरमैन कर्मबीर कौल ने बताया कि यह सुविधा गाँववासियों की सेवा भावना को ध्यान में रखते हुए शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि इस टैंकर का प्रयोग गाँव में धूल को दबाने, पानी छिड़काव करने तथा विकास कार्यों के दौरान पानी की आपूर्ति के लिए भी किया जाएगा। इससे गाँववासियों को पानी के लिए किराए पर पैसा खर्चने से निजात मिलेगी। चेयरमैन ने जानकारी दी कि इस वाटर टैंकर पर लगभग दो लाख रुपये की लागत आई है, जिसकी बिलिंग जिला परिषद कैथल द्वारा की जाएगी।

उन्होंने यह भी घोषणा की कि जल्द ही ग्राम पंचायत कौल को कूड़ा उठाने के लिए ट्रैक्टर-ट्रॉली भी उपलब्ध करवाई जाएगी, जिससे गाँव की स्वच्छता व्यवस्था और बेहतर होगी। इसके साथ ही चेयरमैन कर्मबीर कौल ने जानकारी देते हुए कहा कि हमारे गाँव की मुख्य सड़क नहर से पीर बाबा के स्थान तक जल्द ही सीसी सड़क के रूप में बनकर तैयार हो जाएगी, क्योंकि इस पर हरियाणा के माननीय मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जी की मोहर लग चुकी है और इसका टेंडर पास हो चुका है।

ढांड। जिला परिषद कैथल के चेयरमैन कर्मबीर कौल वाटर टैंक का शुभारंभ करते हुए।

टैंकर की करें उचित देखभाल

ग्राम पंचायत कौल के सरपंच प्रतिनिधि नरेश आढ़ती ने जिला परिषद चेयरमैन कर्मबीर कौल का आभार जताते हुए कहा कि यह वाटर टैंकर गाँव के लिए बेहद आवश्यक था और अब यह गरीब कन्याओं की शादी, महापुरुषों की जयंती, भंडारे व अन्य सार्वजनिक कार्यों के दौरान उपयोग में लाया जाएगा। उन्होंने गाँववासियों से अपील की कि इस सुविधा का सही ढंग से उपयोग करें और टैंकर की उचित देखभाल करें। इस अवसर पर मलखान सिंह , राजबीर सिंह, ईश्वर बट्टी,सतपाल सिंह, रिंकू, सुशील कुमार, बाबु राम,राजबीर सिंह, महिंद्र पंच,पाला राम, सतबीर, रणबीर सिंह सहित गांव के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

न्यू टैगोर स्कूल के खिलाड़ी जिले में प्रथम

राजौंद। जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में न्यू टैगोर सीनियर सेकेंडरी स्कूल किठाना के खिलाड़ियों ने फिर से मारी बाजी। प्राचार्य अरविंद शास्त्री ने बताया कि शुक्रवार को हुए मुकाबले में उनके स्कूल की छात्र माफी कुंडू ने 3000 मीटर रेस में प्रथम स्थान प्राप्त किया है इसके अलावा हरीश ने शाट पुट में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। खो-खो में द्वितीय स्थान, प्रीति ने 100 मीटर रेस में तृतीय स्थान, ईशा ने 400 मीटर रेस में तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार अंडर-14 रिले रेस में साक्षी, नीतू ,असमी व नैंसी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, मानशू ने लॉन्ग जंप में प्रथम स्थान, साक्षी ने 100 मी व 200 मीटर रेस में प्रथम स्थान तथा अशमी ने 200 मीटर में तृतीय स्थान प्राप्त किया है।

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 31 अगस्त 2025

विशेषः शिक्षक दिवस, 5 सितंबर

क्या टीचर्स का रोल निभा पाएगा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस

जब-जब किसी नई तकनीक का प्रचलन बढ़ता है, पारंपरिकता के सामने चुनौती खड़ी हो ही जाती है। हाल के वर्षों में एआई के बढ़ते चलन ने कई अन्य प्रोफेशंस समेत टीचर्स के लिए भी चुनौती पैदा कर दी है। लेकिन सवाल यह है कि क्या एआई कभी एक इंसान जैसी भावनात्मक जुड़ाव के साथ नैतिकता और मानव मूल्य का पाठ छात्रों को पढ़ा पाएगा?

आवरण कथा
लोकमित्र गौतम

आज के एआई (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) युग में जब हर तरह के कठिन से कठिन सवाल का जवाब चैटबॉट पलक झपकते दे देते हों, जब बच्चों से लेकर गहन शोधकर्ताओं तक में अपनी हर जिज्ञासा को गूगल सर्च या एआई के जरिए साफ करने की प्रवृत्ति गढ़ी हो, जब दुनिया के टॉप यूनिवर्सिटीज में भी आधे से ज्यादा शोध एआई की मदद से किए जा रहे हों, जब नए वैज्ञानिक आविष्कारों, मेडिकल तकनीकों, बीमारियों के नए से नए इलाज खोजने के लिए एआई का धड़ल्ले से इस्तेमाल किया जा रहा हो, तब क्या बच्चों को पढ़ाने के लिए, उन्हें पढ़ा लिखाकर संवारने के लिए, शिक्षकों की उतनी ही जरुरत है, जितनी अब के पहले हुआ करती थी? यह सवाल इसलिए आजकल हर तरफ पूछा जाने लगा है या बिना पूछे भी मौजूद दिख रहा है, क्योंकि कई एआई विशेषज्ञों ने ही नहीं, इस दौर के मशहूर अध्यापकों ने भी घोषणा कर दी है कि अगले कुछ सालों में पढ़ाने के लिए टीचर की जरूरत नहीं होगी। हाल के सालों में अपने पढ़ाने की शैली से जबर्दस्त लोकप्रियता हासिल करने वाले अध्यापक और एक मशहूर कोचिंग के संस्थापक विकास दिव्यकीर्ति ने अपने कई हालिया साक्षात्कारों में कहा है कि अब छात्रों को टीचर क्या पढ़ाएगा, उन्हें हर जरूरी सवाल का जवाब बड़ी सहजता से एआई से मिल रहा है और अगले कुछ सालों में और विश्वसनीय तरीके से मिलेगा।

असल में यह सब जितना सतही दिखता है, उतना है नहीं। हालांकि एआई के आने के तुरंत बाद यह घोषणा नहीं की गई कि एआई जिन कुछ पेशेवरों को सबसे पहले बेरोजगार करेगी, उनमें अध्यापक भी होंगे। लेकिन जब से गूगल सर्च धीरे-धीरे करीब 90 फीसदी तक विश्वसनीय हुआ और फिर चैटबॉट का धमाका हुआ, जो इंसानों की ही तरह व्यक्तिगत रूप से आपकी हर जिज्ञासा को शांत करने की कोशिश करता है और जो इसके नए वर्जन मार्केट में आए हैं, वो यह सब काम सिर्फ तथ्यात्मक या तकनीकी ढंग से सपाट अंदाज में नहीं कर रहे बल्कि इसमें इंसानों की तरह का एक खिलंदड़पना भी है। तब से यह भविष्यवाणी जरा तेज होने लगी है कि आने वाले दिनों में अध्यापकों की जरूरत नहीं रहेगी।

कम नहीं हुई शिक्षकों की महत्ता

यहां हमें यह भी समझना होगा कि असल में शिक्षक की भूमिका कभी भी केवल जानकारी देने वाले की नहीं रही, अगर सिर्फ इतनी ही होती तो जब कागज में किताबें छपने लगी थीं, रेडियो का आविष्कार हो गया और उसमें तमाम ज्ञान और शिक्षा के कार्यक्रम आने लगे, जब टीवी का स्वर्णयुग आया और विभिन्न विषयों पर दुनिया के एक से बढ़कर एक विशेषज्ञों के विचार सार्वजनिक होने लगे और हां, सबसे ज्यादा तब जब इंटरनेट अस्तित्व में आया और दुनियाभर के ज्ञान का एक व्यवस्थित स्रोत बन गया, तब भी टीचर्स की जरूरत में रत्तीभर कोई कमी नहीं आई बल्कि सच तो यह है कि दिलो-दिमाग में इसके अप्रासंगिक हो जाने का विचार तक नहीं आया। हालांकि निश्चित रूप से एआई के विस्तारित आविष्कार के रूप में अस्तित्व में आए लॉन्ग लैंग्वेज मॉडल्स अर्थात चैटबॉट ने पहली बार

अध्यापकों की जरूरत पर सवालियां निशान लगाएं हैं। लेकिन यकीन मानिए, ये सवालिया निशान सिर्फ तात्कालिक या कहें शुरुआती चकाचौंध की उपज हैं।

मार्गदर्शन भी देता है अध्यापक

सच बात यही है कि जैसे-जैसे चैटबॉट का अनुभव पुराना होता जाएगा, हमें स्वतः यह पता चल जाएगा कि यह या एआई का कोई भी आविष्कार वास्तव में कभी अध्यापक की जगह नहीं ले सकता। क्योंकि अध्यापक केवल मशीनी अंदाज में छात्रों को ज्ञान भर नहीं देता। उसकी भूमिका इससे कहीं बड़ी होती है। अध्यापक ज्ञान देने से बढ़कर मार्गदर्शन करता है। छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनता है। उनमें मूल्यों की नींव डालता है और उनके एकीकृत व्यक्तित्व का संरक्षक बनता है। इसलिए यह जटिल भूमिका कोई भी वैज्ञानिक आविष्कार या कहें वह कितना ही महान और कितना ही क्रांतिकारी हो, नहीं कर सकता।

निभाता है बहुस्तरीय भूमिका

अध्यापक बहुस्तरीय भूमिका निभाते हैं। वे मशीन नहीं हैं। वे आपको मशीनी अंदाज में निर्मित नहीं करते बल्कि एक कलाकार की तरह अपनी समूची भावनात्मक संवेदना के साथ धीरे-धीरे गढ़ते हैं। इसलिए कोई मशीन कितनी ही इंटेलीजेंट क्यों न हो जाए, वह कभी भी अध्यापक की जगह नहीं ले सकती। दिल छू जाने वाले सवाल पूछना और जीवन बदल देने वाली प्रेरणा देना सिर्फ इंसान ही जानता है। यह कमाल सिर्फ इंसानी टीचर ही कर सकता है। इसलिए उन्नत से उन्नत चैटबॉट के युग में भी इंसानी अध्यापक न सिर्फ बने रहेंगे बल्कि पहले से और ज्यादा प्रासंगिक होंगे, इस जटिलता से निजात दिलाने के लिए। शिक्षक अब न सिर्फ सूचना ही देता है और न ही कोई कुशलता सिखाता है। वह सूचना और कुशलता सिखाने के साथ-साथ आप में प्रशिक्षण यानी वैल्यू और एथिक की भी नींव मजबूत करता है। क्योंकि एआई किसी भी सवाल का क्या और कैसे बता सकता है, लेकिन अधिकांश सवालों से 'क्यों' जवाब शिक्षक ही देगा। जीवन मूल्य, सहानुभूति, सहयोग और जिम्मेदारी जैसी चीजें कोई इंसान ही किसी दूसरे इंसान को सिखा सकता है या कोई इंसान ही दूसरे इंसान से सीखने के लिए प्रेरित हो सकता है। एआई छात्रों में पर्सनालिटी बिल्डिंग यानी व्यक्तित्व विकास का काम भी अच्छे ढंग से नहीं कर सकता। किसी भी छात्र को आत्मविश्वास, संवाद कौशल, टीम वर्क और नेतृत्व की क्षमता विकसित करने के लिए कोई जीता जागता अध्यापक ही प्रेरित कर सकता है।

अध्यापकों को स्वीकारनी होगी चुनौती

इस मामले में यह भी जरूरी है कि एआई की चुनौती से निपटने के लिए आज के अध्यापकों को पहले से ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। अब सिर्फ किताब पढ़ा देना भर अध्यापक का काम नहीं रहा। अब विशेषकर इस चैटबॉट के युग में अध्यापकों की कई तरह की भूमिकाएं उभर कर सामने आती है। मसलन-अब अध्यापक को एक मेंटर के रूप में अपनी बड़ी भूमिका निभानी है। उसे छात्र को यह सिखाना है कि किसी भी जानकारी का उपयोग कैसे करना है, कौन सी जानकारी विश्वसनीय है और कौन सी भ्रामक है या हो सकती है, इसका फर्क सिखाना भी बहुत जरूरी है। *

कई रूपों में नाकाबिल है एआई

आज एआई की सबसे बड़ी ताकत उसकी स्पीड और स्केल को माना जाता है। कोई भी बच्चा जब चाहे एआई चैटबॉट से गणित का सवाल हल कर सकता है, किसी भी ऐतिहासिक घटना का सार या सारांश पा सकता है। विज्ञान की जटिल से जटिल थ्योरी को समझ सकता है। इस दृष्टि से एआई एक विशिष्ट सूचना शिक्षक तो है, लेकिन एआई या चैटबॉट किसी छात्र का दिल नहीं बदल सकता, उसे प्रोत्साहित नहीं कर सकता, उसे प्रभावित नहीं कर सकता और उसे प्रोत्साहित भी नहीं कर सकता। इस अर्थ में टीचर एआई या चैटबॉट के लिए खुद में एक बड़ी चुनौती है। क्योंकि शिक्षा का असली मकसद सिर्फ सवालों के जवाब पाना नहीं है बल्कि छात्रों में सोचने, समझने, चीजों को विश्लेषित करने की एक शैली या कुशलता को विकसित करना भी है। यह स्किल या कुशलता सिर्फ अध्यापक ही छात्रों को दे सकता है। इस मामले में एआई की क्षमता सीमित है। कोई भी मशीन किसी इंसान को किसी तरह का मूल्य नहीं सिखा सकती, न ही उसमें मूल्यबोध पैदा कर सकती है।

विचारणीय
अलका सोनी

अनेक वजहों से हमारे समाज में शिक्षकों की प्रतिष्ठा और उनके प्रति सम्मान घटता जा रहा है। उनके सामने अनेक चुनौतियां और मुश्किलें भी मौजूद हैं। ऐसे में उन सवालों पर विचार करना और उनके जवाब खोजना आज बहुत जरूरी हो गया है।

तभी फिर सम्मान-प्रतिष्ठा प्राप्त कर सकेंगे शिक्षक

प्राचीन काल से ही भारतीय संस्कृति में शिक्षक को सर्वोच्च स्थान पर प्रतिष्ठित किया जाता रहा है। लेकिन बड़ा सवाल है कि क्या आज के भारत में शिक्षक इस सम्मान का वास्तविक अनुभव कर पा रहे हैं? क्या यह पेशा युवाओं की पहली पसंद रह गया है? और सबसे महत्वपूर्ण सवाल जब हम विदेशों की तुलना में अपने शिक्षकों की स्थिति देखते हैं, तो क्या हमें आत्ममंथन की आवश्यकता नहीं है? आज तो ऐसी स्थिति हो गई है कि जब कोई बच्चा पढ़ना शुरू करता है, तब से ही अधिकांश बच्चों के माता-पिता और परिचित उसे इंजीनियर, डॉक्टर और न जाने कौन-कौन से पेशे को अपनाने का सपना देखने और दिखाने लगते हैं। तब शायद ही कोई यह कहता है कि वह बड़ा होकर एक शिक्षक बनेगा। यह बात कड़वी है, लेकिन सच है। भले ही हमारे देश में गुरु-शिष्य परंपरा रही हो। हम गुरु को भगवान से भी बड़ा मानते हो, लेकिन हमारे ही देश में आज शिक्षक के पेशे को कमतर आंका जाता है। लोग मजबूरी में शिक्षक के पेशे को अपनाते हैं। इसलिए यह जानना जरूरी है कि आज आखिर ऐसा क्यों हो रहा है?

शिक्षक का बदलता स्वरूपः प्राचीन भारत में गुरु का दर्जा बहुत महत्वपूर्ण माना जाता था। उन्हें सचमुच भगवान से ऊंचा स्थान दिया जाता था। गुरुकुल परंपरा में शिक्षक, शिष्य के संपूर्ण व्यक्तित्व निर्माण के लिए जिम्मेदार होते थे। उन्हें वेतन नहीं, बल्कि 'दक्षिणा' दी जाती थी। यानी सम्मान और कृतज्ञता का प्रतीक, साथ ही एक बार शिष्य के गुरुकुल में प्रवेश करने के बाद उस पर गुरु का अधिकार होता था। उनकी आज्ञा ही उसके लिए सर्वोपरि होती थी। इस क्रम में शिष्यों के माता-पिता भी उनके बीच नहीं आते थे।

कई दायित्वों का दबावः अगर आप प्राचीन भारत से तुलना करें तो साफ पता चलेगा कि आज अधिकतर शिक्षकों का कार्य केवल किताबों तक सीमित नहीं रह गया है। यानी कि वे शिक्षा देने के साथ-साथ मिड-डे मील की निगरानी से लेकर चुनाव ड्यूटी, जनगणना, टीकाकरण जागरूकता अभियान जैसे कई सरकारी कार्य में लगाए जा रहे हैं। इन सब कामों में उनकी भूमिका है, लेकिन उस अनुपात में उन्हें ना तो वह सम्मान मिलता है, न ही संसाधन। फलस्वरूप उनमें असंतोष या हताशा के भाव घर कर लेते हैं। इसके अलावा भी कई कारण हैं, जिनकी वजह से युवा इस पेशे को कम ही अपनाना चाहते हैं।

आर्थिक कारणः किसी भी पेशे को अपनाने की सबसे बड़ी वजह लोगों का आर्थिक रूप से सक्षम होना होता है। लेकिन शिक्षकों को समान शिक्षा कौशल वाले अन्य क्षेत्रों आई टी, फाइनेंस, मैनेजमेंट की तुलना में शुरुआती वेतन प्रायः कम मिलता है, जिससे अवसर-लागत अधिक लगती है। साथ ही कॉन्ट्रैक्ट/अस्थाई नियुक्तियां उनके काम करने के उत्साह को कम करती हैं। क्योंकि गेस्ट, आउटसोर्स या अल्पकालिक कॉन्ट्रैक्ट्स में वेतन और सुविधाएं सीमित रहती हैं।

भर्ती-प्रक्रिया की दिक्कतेंः अकसर सरकारी शिक्षक नियुक्ति की प्रक्रिया बहुत समय लेती है। इससे भर्ती में देरी, अनिश्चितता बनी रहती है। विज्ञापन से ज्वाइनिंग तक वर्षों लग जाते हैं। इससे ऊबकर युवा करियर के दूसरे विकल्प चुन लेते हैं। नियुक्ति की परीक्षाओं में पेपर लीक, बार-बार होते मुकदमे और परीक्षा रद्दीकरण इसकी परीक्षा विश्वसनीयता पर असर डालती है, जिससे समय और ऊर्जा की भारी बर्बादी होती है। पहले शिक्षक नियुक्ति की प्रक्रिया आसान और सुलझी हुई थी। लेकिन अब दिन पर दिन यह जटिल होती जा रही है।

कार्य-परिस्थितिः अधिकतर शिक्षकों पर बहुत दबाव रहता है। एक ही शिक्षक पर कई कक्षाएं और विषय पढ़ाने का दबाव भी रहता है, जिससे सभी छात्रों पर व्यक्तिगत ध्यान देना कठिन हो जाता है। कुछ प्राइवेट स्कूलों को छोड़कर अन्य स्कूलों में इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी जैसे कि लैब, लाइब्रेरी, स्मार्ट-क्लास, बिजली/नेट जैसी न्यूनतम सुविधाएं भी सीमित रूप में होती हैं।

कई स्तरों पर बदलाव की जरूरतः शिक्षकों का मुख्य कार्य पठन-पाठन से जुड़ा होना चाहिए। उन्हें गैर-शैक्षिक कामों से यथासंभव राहत देनी चाहिए। क्योंकि इन सब से उनकी कार्य क्षमता पर बुरा असर पड़ता है। इसलिए विद्यालय में केवल शिक्षण पर ध्यान देने का वातावरण बनाने की जरूरत है। ताकि युवाओं के मन में इस पेशे के प्रति सम्मान और समर्पण बना रहें। शिक्षा में सुधार के लिए छात्रों के साथ ही शिक्षकों और विद्यालयों की स्थिति में भी सुधार की आवश्यकता होती है। हर विद्यालय के इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार करने से शिक्षकों के ऊपर कम दबाव होगा। लैब, स्मार्ट क्लास, लाइब्रेरी, इंटरनेट जैसी सुविधाएं स्कूलों तक पहुंचनी जरूरी है। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में। इनके अलावा आज समाज में शिक्षक के पेशे का सम्मान घटता जा रहा है। इस बात को समझना होगा कि लोग जिन भी कारणों से इस काम के प्रति उदासीन हो रहे हैं, उन कारणों को दूर करने की आवश्यकता है। अगर मीडिया और समाज में शिक्षकों को 'सोशल हीरोज' के रूप में मान्यता मिले, उन्हें पुरस्कार, सामुदायिक सम्मान मिले, तो स्थिति में बदलाव आ सकती है। *

कविता
हरीश कुमार 'अमित'

कुछ ख्वाब

कुछ ख्वाब
जिंदगी के
रहते बस ख्वाब ही।
बीतती जाती जिंदगी
देखते-देखते
इन ख्वाबों को।
इंतजार इन ख्वाबों के
पूरा हो जाने का,
रहता बस इंतजार ही।
बढ़ती रहती
इन ख्वाबों के
पूरा न हो पाने की कसक
वक्त बीतने के साथ-साथ।
और आखिरकार
बन जाती एक दिन
खुद जिंदगी ही
एक बीता हुआ ख्वाब।

कहानी / संजीव ठाकुर

विकास के नाम पर पेड़ों की बलि कितनी हृदय विदारक होती है, यह तो केवल पेड़ ही महसूस कर सकते हैं। हम इंसान तो केवल अपने स्वार्थ और आरामतलबी के चलते उन पर कुल्हाड़ी चलाते रहते हैं। काश हममें वह संवेदना जगती, कि हम इन पेड़ों की दारुण व्यथा-कथा सुन सकते, महसूस कर सकते!

मातम

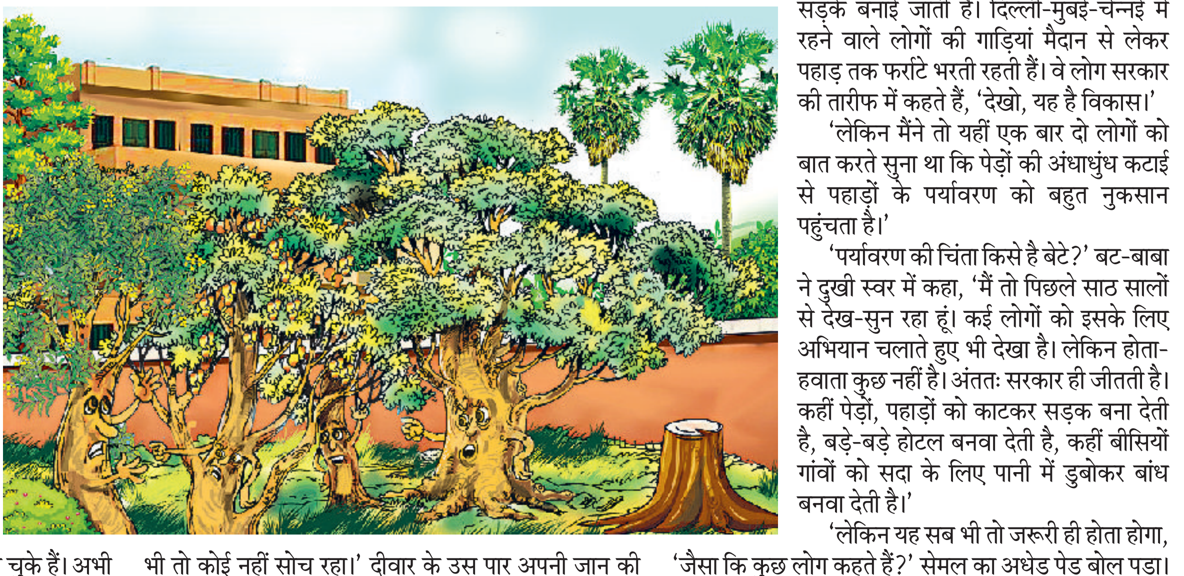

दीवार खिंच चुकी है। कैंपस के करीब पांच मीटर अंदर। दो सौ मीटर लंबाई में। इस दीवार के बाहर कैंपस की जो जमीन है, पेड़-पौधे हैं, कमरे हैं, चहारदीवारी है- अब सरकारी संपत्ति है। यह कैंपस भी वैसे सरकारी है- कम से कम एक सौ सत्तर वर्ष पुराना। हेरिटेज बिल्डिंग। बाहर खुला लॉन। साठ-सत्तर वर्ष पुराने पेड़ों से घिरा हुआ।

अब खिंची दीवार के बाहर की समस्त भूमि सड़क का हिस्सा बनने जा रही है। पेड़ कट कर कुछ सरकारी गोदाम और कुछ चोरी-चुपके मंडियों में पहुंचने लगे हैं।

सीधे खड़े नीम और सेमल के पेड़ की बलि ली जा चुकी है। कल बट-बाबा की बारी है। कयामत की रात है। आस-पास खड़े सभी पेड़ गमगीन हैं- जो दीवार के इस पार हैं वे भी, उस पार हैं वे भी। इस पार वर्षों से टेढ़ा खड़ा नीम सीधे खड़े नीम के जाने से उदास है। कहता है, 'मुझे ही काट ले जाते? मैं लंगड़ा पेड़, न जाने कब गिर जाऊं? मेरे जाने से कुछ खास फर्क नहीं पड़ता। वह तो तीस वर्षों से खड़ा था, वातावरण की सारी गंदगी पीता था और स्वच्छ हवा लोगों को देता था।'

सेमल का भाई भी अपने बड़े भाई के जाने से दुखी है। 'कल नहीं तो परसों मेरी भी बारी आ ही जानी है।' वह सोच रहा है। दीवार के इस पार खड़ा ताड़ का पेड़ बोल पड़ा, 'अब देखो, मैं बच गया। मैं तो लोगों को कुछ खास फायदा नहीं पहुंचा पाता, लेकिन बट-बाबा के बारे में सोचो। साठ साल से धूप, वर्षा, ठंड की परवाह किए बिना डटे हुए हैं। कितनी तो गर्मी अपने अंदर सोख चुके हैं। अभी भी गर्मी सोखने की इनकी ताकत का कोई जोड़ नहीं है। लेकिन मूर्ख मनुष्य कुछ सोचने वाले ही नहीं हैं।'

इस पर बट-बाबा बोले, 'मेरी चिंता मत करो दोस्तों! मैं तो अपने बेटे के बारे में चिंतित हूं। उसने अभी दुनिया ही कितनी देखी है? ...दो-चार दिनों में वह भी मशीनी दानव के द्वारा धराशाई कर दिया जाएगा।'

'उस नए-नए जवान हुए पीपल और आम के पेड़ के बारे में भी तो कोई नहीं सोच रहा।' दीवार के उस पार अपनी जान की खैर मनाता जामुन का पेड़ बोल पड़ा।

'अरे! मनुष्य अपने विनाश की पटकथा खुद लिख रहा है। हमें क्या सोचना?' पीपल बोल पड़ा, 'मैं अभी कम से कम पचास साल यहां खड़ा रहता और मनुष्य को बचाने में अपना योगदान देता। लेकिन...! कोई बात नहीं।'

आम के पेड़ ने गुस्सा होते हुए कहा, 'मैं साफ हवा के साथ-साथ उन गधों को मीठे फल भी देता हूं। फिर भी मेरी चिंता उन्हें नहीं है। मैंने यहीं इसी कैंपस में किसी को कहते हुए सुना है, 'अगर पेड़ों को नहीं काटा जाएगा तो विकास कैसे होगा?'

'विकास क्या होता है दादा?' टेढ़े नीम ने पूछा।

पीपल के पेड़ ने बुजुर्ग की भूमिका ओढ़ते हुए समझाया, 'हमें काट कर, गड्ढों को ईंट, पत्थर से पाटकर, बुल्डोजर चलाकर, ऊपर से कोलतार की चादर बिछाकर जो चमचमाती सड़क बनती है, उसे विकास कहते हैं बेटा! यह विकास पूरे देश में होता रहता है। पहाड़ों पर होता रहता है। जंगलों को अंधाधुंध काटकर चौड़ी-चौड़ी सड़कें बनाई जाती हैं। दिल्ली-मुंबई-चेन्नई में रहने वाले लोगों की गाड़ियां मैदान से लेकर पहाड़ तक फर्राटे भरती रहती हैं। वे लोग सरकार की तारीफ में कहते हैं, 'देखो, यह है विकास।'

'लेकिन मैंने तो यहीं एक बार दो लोगों को बात करते सुना था कि पेड़ों की अंधाधुंध कटाई से पहाड़ों के पर्यावरण को बहुत नुकसान पहुंचता है।'

'पर्यावरण की चिंता किसे है बेटे?' बट-बाबा ने दुखी स्वर में कहा, 'मैं तो पिछले साठ सालों से देख-सुन रहा हूं। कई लोगों को इसके लिए अभियान चलाते हुए भी देखा है। लेकिन होता-हवाता कुछ नहीं है। अंततः सरकार ही जीतती है। कहीं पेड़ों, पहाड़ों को काटकर सड़क बना देती है, बड़े-बड़े होटल बनवा देती है, कहीं बीसियों गांवों को सदा के लिए पानी में डुबोकर बांध बनवा देती है।'

'लेकिन यह सब भी तो जरूरी ही होता होगा, 'जैसा कि कुछ लोग कहते हैं?' सेमल का अधेड़ पेड़ बोल पड़ा।

पीपल को गुस्सा आ गया, 'होता है बाबू, होता है। तभी तो वे पेड़, पहाड़, नदी, तालाब वगैरह की परवाह नहीं करते। जहां कुछ बनाना हो, बना लेते हैं। लेकिन जान लो, मैं जाते-जाते कह रहा हूं- यह विकास ही उनके विनाश की वजह होने जा रहा है।'

पेड़ों के बीच चुप्पी छा गई। उनके पत्तों ने हिलना-डुलना बंद कर दिया। वे इतने गमगीन हो गए मानो मनुष्य का विनाश होने पर मातम मनाने बैठे हों। *

पुस्तक चर्चा / दिनेश मालवीय 'अश्क'

भावप्रवण कविताओं का पठनीय संग्रह

कहते हैं, हर व्यक्ति में एक कवि छिपा होता है। काव्यात्मक अनुभूतियां होने के बावजूद हर किसी में उन्हें शब्दों में अभिव्यक्त करने की योग्यता नहीं होती। जिनमें यह क्षमता होती है, वे औपचारिक रूप से कवि बन जाते हैं। जनसंपर्क विभाग में अपर संचालक पद से सेवानिवृत्त सुरेश गुप्ता का प्रथम काव्य संग्रह 'असमय का अंधेरा' हाल में प्रकाशित हुआ है। इस संग्रह में उनकी 89 कविताएं शामिल हैं। मुक्त छंद में रचित सभी कविताएं छोटी, लेकिन गहरे भाव और जीवन अनुभव से परिपूर्ण हैं। किताब की पहली कविता 'असमय का अंधेरा' पढ़ते ही कवि की भाव प्रवणता और सशक्त अभिव्यक्ति का संकेत मिल जाता है। इसमें वे कहते हैं,

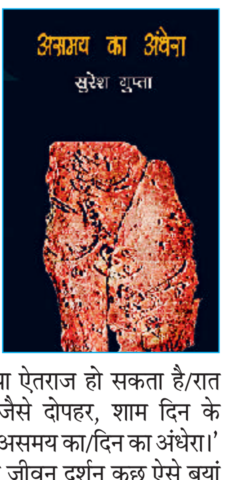

'अंधेरे से किसी को/भला क्या ऐतराज हो सकता है/रात लिखी ही है/अंधेरे के नाम/जैसे दोपहर, शाम दिन के नाम/पर बहुत कचोटता है/यह असमय का/दिन का अंधेरा।' एक अन्य कविता में वह गहरा जीवन दर्शन कुछ ऐसे बयां करते हैं, 'कुछ पा लिया/कुछ छूट गया/जो छूटा/उसमें/वह रास्ता भी रहा/जो तुम तक/जाता था।' कई कविताओं के गहन अर्थ को समझने के लिए दो-तीन बार भी पढ़ना पड़ सकता है। बहरहाल, इसमें संदेह नहीं कि इन कविताओं में कवि के जीवन संघर्ष, कड़वे-मीठे अनुभव बहुत सहजता से अभिव्यक्त हुए हैं। *

पुस्तकः असमय का अंधेरा, **लेखकः** सुरेश गुप्ता, **मूल्यः** 100 रुपए, **प्रकाशकः** प्रथमेश प्रिंटर्स, भोपाल

टूरिस्ट डेस्टिनेशंस / समीर चौधरी

बहुत से पर्यटक खूबसूरत समुद्र तट देखने के लिए विदेशों का रुख करते हैं। जबकि अपने ही देश में एक से बढ़कर एक मनमोहक समुद्र तटीय शहर मौजूद हैं। इन शहरों में समुद्रतटीय सौंदर्य के अलावा और भी बहुत कुछ दर्शनीय है। यहां आपको ऐसे ही अमेजिंग सी-बीचेज वाले शहरों के बारे में बता रहे हैं।

अपनी सुंदरता से मोहित कर देंगे देश के ये समुद्र-तटीय शहर

बीच लवर्स का पसंदीदा वर्कला

केरल में अरब सागर को स्पर्श करता हुआ वर्कला शहर, बीच लवर्स के लिए विशिष्ट जगह माना जाता है। खासतौर पर इसका पापनासम बीच बहुत ही पवित्र स्थल माना जाता है। इससे जुड़ी कई आध्यात्मिक मान्यताएं हैं। चट्टानों के आस-पास सुंदर कैफे, दुकानें और योगा केंद्र, आध्यात्मिक स्पर्श के साथ प्राकृतिक सौंदर्य की तलाश करने वाले पर्यटकों के लिए आदर्श जगह है, जहां तटीय आकर्षण के साथ शांति भी मिलती है। *

पुर्तगाली विरासत का झरोखा दीव

भारत के पश्चिमी तट पर स्थित दीव, छोटा सा सुंदर द्वीपीय शहर है, जहां पुर्तगाली विरासत के दर्शन तो होते ही हैं, यहां कई मनोरम समुद्र तट भी हैं। यहां के प्रमुख पर्यटन आकर्षणों में शामिल हैं दीव फोर्ट, नैदा गुफाएं और सेंट पॉल चर्च। इनके अलावा जब आप इस शहर में घूमने जाएं नागोया बीच और घोघला बीच को देखना ना भूलें। यहां पर्यटक वाटर स्पोर्ट्स का भी खूब आनंद ले सकते हैं। *

कोलोनियल अट्रैक्शन का जादू पुडुचेरी

पुडुचेरी को 'फ्रेंच रिवेरा ऑफ द ईस्ट' के नाम से भी जाना जाता है। यहां आपको कोलोनियल अट्रैक्शन और मॉडर्न इंफ्रास्ट्रक्चर का गजब का संगम देखने को मिलेगा। पेड़ों की लंबी-लंबी कतारों वाले बुलेवार्ड और मन को लुभाने वाले गोल्डन बीच, ऐसा जादुई आकर्षण उत्पन्न करते हैं, लगता है जैसे नेचर ने फुर्सत में इसे पिक्चराइज किया है। यहां पर्यटक फ्रेंच क्वार्टर्स में चहलकदमी कर सकते हैं, कैफेटेरिया में सुकून से कॉफी का आनंद ले सकते हैं। सबसे खास आकर्षण यहां का पैराडाइस बीच है, जहां पर डूबते हुए सूरज को देखकर आप मंत्रमुग्ध हो जाएंगे। औरोविले और श्री अरबिंदो आश्रम का शांत वातावरण आपको अनोखी आध्यात्मिक शांति प्रदान करेगा। *

अनोखा-सुंदर समुद्र तट है कच्छ

गुजरात के कच्छ क्षेत्र में मांडवी गजब का आकर्षक स्थल है, जो अपने मांडवी सी-बीच और 16वीं शताब्दी में निर्मित विजय विलास पैलेस के लिए जाना जाता है। शांति से समुद्र तट के पास समय गुजारने की चाहत वाले पर्यटकों के लिए यह शहर बिल्कुल परफेक्ट है। यहां आप लकड़ी के परंपरागत धो (पाल वाली नौका) को करीब से देख सकते हैं, जो इस क्षेत्र की विरासत का प्रतीक है। *

कई अट्रैक्टिव बीचेज वाला गोकरण

एक समय तक कर्नाटक के समुद्रतटीय गोकरण के बारे में कम पर्यटक ही जानते थे। लेकिन हाल के वर्षों में यह तटीय शहर गोवा के समान ही पर्यटकों के बीच काफी पॉपुलर हो रहा है। यहां आपको वर्जिन बीच के अलावा ओम बीच और कुदले बीच देखने को मिलेंगे। ट्रैकिंग के लिए भी गोकरण परफेक्ट शहर है। यहां अनेक योगा रिट्रीट्स भी मौजूद हैं, जिनसे आध्यात्मिकता का अनुभव लिया जा सकता है। *

सबसे दक्षिणी समुद्री किनारा कन्याकुमारी

भारत का सबसे दक्षिणी सिरा कन्याकुमारी है, जहां अरब सागर, बंगाल की खाड़ी और हिंद महासागर आपस में मिलते हैं। यह शहर सूरज के उगने और डूबने के अद्भुत नजारों और समुद्रों के संगम के लिए विख्यात है। हालांकि यहां देखने को और भी बहुत कुछ है, लेकिन पर्यटक विशेष रूप से विवेकानंद रॉक मेमोरियल और थिरुवल्लुवर मूर्ति के दर्शन करने के लिए आते हैं। *

सक्सेस के लिए बहुत जरूरी है क्लीयर टार्गेट

अगर मेहनत किए जाने की दिशा ही स्पष्ट न हो, तो फिर चाहे आप कितना ही कुछ कर लें, कामयाबी नहीं मिल सकती। करियर में सक्सेस पाने के लिए क्लीयर टार्गेट होना क्यों जरूरी है, जानिए।

सेल्फ इंप्रूवमेंट
कीर्तिशेखर

जीवन में सफलता पाने की दौड़ में कई लोग दिन रात मेहनत करते हैं, लेकिन हर मेहनत करने वाला अपनी मंजिल पा ही ले, यह जरूरी नहीं है। कारण सिर्फ इतना है कि कई लोग मेहनत तो करते हैं, लेकिन उनकी मेहनत की कोई स्पष्ट दिशा नहीं होती। जबकि करियर में सफलता पाने के लिए लक्ष्य की स्पष्टता बहुत जरूरी होती है।

इसलिए जरूरी है लक्ष्य: लक्ष्य हर पल याद कराए रखता है कि आपको किस ओर बढ़ना है, भटकना नहीं है। इस तरह देखें तो लक्ष्य स्पष्ट दिशा प्रदान करता है। अगर आप एक लक्ष्य के साथ आगे बढ़ते हैं तो चाहे आप जितनी मेहनत करते हों, उन लोगों से हमेशा आगे रहेंगे, जो बिना किसी स्पष्ट लक्ष्य के भटकते रहते हैं, फिर चाहे वो इस दौरान कितनी ही हाड़ तोड़ मेहनत क्यों न कर लें। लक्ष्य केवल हमें उत्साहित ही नहीं रखता बल्कि लगातार कठिनाइयों के समय भी लक्ष्य की प्रेरणा हमें अपनी दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती रहती है।

अगर हमारे सामने एक लक्ष्य है तो हम एक निश्चित समय के बाद इस बात का वैज्ञानिक आकलन कर सकते हैं कि आखिर हम अपने लक्ष्य की ओर कितना आगे बढ़े हैं? बढ़े भी हैं या वहीं के वहीं खड़े हैं।

अनिश्चित लक्ष्य से होता है भटकाव: सुरेश के उदाहरण से इसे और अच्छी तरह समझ सकते हैं। वह 12वीं पास करने के बाद से ही सिविल सर्विसेस में जाने का सपना देखता था। लेकिन उसका यह लक्ष्य स्पष्ट नहीं था। उसने कुछ दिन तक सिविल सर्विसेस परीक्षा की तैयारी की और फिर किसी ने कहा एमबीए का स्कोप भी अच्छा है, अतः वह एमबीए में लग गया। जब एमबीए क्लीयर नहीं हुआ, तो किसी ने कहा व्यावहारिक यही है कि पहले एसएससी का एग्जाम क्लीयर कर लो, इसके बाद सिविल सर्विसेस बेहतर रहेगा। अतः वह एसएससी की तैयारी में लग गया। लेकिन पांच साल बीत गए उसे किसी क्षेत्र में भी कोई सफलता नहीं मिली। न वो आईएएस बन सका, न एमबीए कर सका और यहां तक कि एसएससी भी क्लीयर नहीं कर पाया। जब पांच साल बीत गए उसे बड़ा पछतावा हुआ और जब उसने दृढ़ निश्चय कर लिया कि एक साल वह अपना स्पष्ट टाइम टेबल बनाकर यूपीएससी की अच्छी तरह से तैयारी करेगा। अंततः वह तीसरे प्रयास में सचमुच सफल हो गया। इस उदाहरण का मोरल संदेश यही है कि अगर सफलता चाहते हैं, तो अपने लक्ष्य को बिल्कुल स्पष्ट रखें, लक्ष्य से जरा भी इधर या उधर न भटकें। ऐसा करेंगे तो सफलता हर हाल में मिलेगी।

लक्ष्य से आसान हो जाती है राह: सुरेश से ही मिलती-जुलती कहानी वनिता की है। वनिता एक मल्टीनेशनल कंपनी में काम करती थी और चाहती थी कि वह अगले कुछ सालों में कंपनी की मैनेजर बन जाए। लेकिन कितने समय के भीतर कंपनी का मैनेजर बनना है या मैनेजर बनने के लिए क्या-क्या करना है, ऐसा कोई भी खाका उसके पास नहीं था। इसलिए चार साल गुजर गए। लेकिन मैनेजर नहीं बन सकी। एक दिन उसने अपने सीनियर से सलाह ली और उनके सामने अपने सपने को खोलकर रख दिया। सीनियर हमदर्द थे, तो उन्होंने ईमानदारी से समझाया कि प्रमोशन पाने के लिए पहले अपने आपमें कई तरह के स्किल्स डेवलप करने होंगे। क्योंकि किसी भी कंपनी के मैनेजर को विभिन्न प्रोजेक्ट्स में सफल होने के लिए इस तरह के स्किल्स की जरूरत होती है। वनिता को समझ में बात आ गई, उसने डिजिटल मार्केटिंग का सर्टिफिकेट कोर्स किया, टीम लीड प्रोजेक्ट्स लिए और खुद को एक दिशा देकर तैयार किया। आज वनिता अपनी कंपनी में मैनेजर है। इस उदाहरण की सीख है कि अगर कुछ खास बनना चाहते हैं तो पहले ही दिन से एक स्पष्ट लक्ष्य रखना जरूरी है।

लब्बोलुआब यह कि जो भी अपनी जिंदगी में स्पष्ट लक्ष्य बनाता है, वह हर हाल में सफल होता है। इसलिए अगर आप भी अपने करियर में कामयाबी चाहते हैं, तो अपना लक्ष्य स्पष्ट बनाएं और बनाएं ही नहीं बल्कि उस पर अमल भी करें। *

फैशन ट्रेंड
प्रतिमा अरोड़ा

नए फैशन ट्रेंड के अनुसार पिछले कुछ समय से यंगस्टर्स की पसंद में कई बदलाव देखने को मिल रहे हैं। खासतौर पर शर्ट्स में नए-नए एक्सपेरिमेंट्स युवाओं को खूब भा रहे हैं। इस बदलते फैशन ट्रेंड पर एक नजर।

यंगस्टर्स की शर्ट्स में दिख रहे नए फैशन मूड्स

हाल के महीनों में यंग मेन की शर्ट्स में जो फैशनेबल बदलाव दिख रहे हैं, वास्तव में फैशन के नए मूड्स को दर्शाते हैं, जिनमें आजकल के युवा सहज, बोल्ड और बेहद स्टाइलिश नजर आते हैं। इनके बारे में आप भी जरूर जानना चाहेंगे।

ओवरसाइज्ड-रिलैक्स्ड फिट: यह बेहद कंफर्टेबल और लूज शर्ट होती है। साल 2025 की गर्मियों में इसका जलवा खूब देखने को मिला है। मार्केट में इसकी आमद और उपलब्धता देखकर यह एहसास किया जा सकता है कि इस त्योहारी मौसम में यह जलवा पूरी तरह से बरकरार रहेगा। दरअसल, ये शर्ट्स युवाओं के लिए बेहद कंफर्टेबल होती हैं। इनमें ओवरसाइज्ड कट, ड्राफ्ट शोल्डर और फ्री फ्लोइंग स्लिप इन दिनों खूब ट्रेंड में हैं। हालांकि यह नया फैशन ट्रेंड नहीं है, अमेरिका में 60 और 70 के दशक में यह ट्रेंड रहा है। लेकिन फिर बॉडी फिट शर्ट्स के चलन के कारण यह ट्रेंड गायब हो गया था। लेकिन इन दिनों टेलर्ड ट्राउजर्स के साथ लूज शर्ट्स का ट्रेंड फिर से युवाओं के सिर चढ़कर बोल रहा है। इससे इन्हें निःसंदेह कूल लुक मिलता है।

ओवरसाइज्ड शर्ट

सैज ग्रीन शर्ट

फ्लेमिंगो पिंक शर्ट

डिजिटल डिजाइन शर्ट

एआई इंस्पायर्ड प्रिंट्स: यह एआई का दौर है और एआई का प्रभाव फैशन ट्रेंड्स पर भी देखने को मिल रहा है। एक समय था, जब बड़े-बड़े प्रिंट्स वाली शर्ट का ट्रेंड था। लेकिन अब माइक्रो प्रिंट, ब्रश आर्ट पैटर्न और एआई जेनरेटेड डिजिटल डिजाइन वाली शर्ट्स यंगस्टर्स के बीच ज्यादा लोकप्रिय हैं। इसके साथ ही ग्लोबल ट्रेंड में रोज ग्राफिक और ज्योमेट्रिकल प्रिंट भी खूब देखने को मिल रहे हैं।

अर्थी कलर्स और म्यूटेड टोन: ये काफी नेचुरल दिखने वाले कलर होते हैं। इनमें रस्ट आयरन, सेज ग्रीन और सैंड स्टोन जैसे कलर कॉम्बिनेशन पूरी दुनिया में पसंद किए जा रहे हैं। इन कलर्स के शर्ट्स किसी भी आउटफिट के साथ इंप्रेसिव लुक देते हैं।

बोल्ड कलर-टेक्नो प्रिंट: हाल के दिनों में युवाओं के शर्ट्स के कलर और प्रिंट बहुत बोल्ड भी हो गए हैं। जैसे फ्लेमिंगो पिंक, टेंगरिंग यलो आदि। दरअसल, ये ब्राइट प्रिंट भी एआई जनरेटेड प्रिंट है। यह ग्लैमरस, टेक्नोआर्टिस्टिक ट्रेंड को दर्शाते हैं। खादी, जामदानी, ऑर्गेनिक कॉटन, बैंबू फैब्रिक आदि में भी ये बोल्ड कलर और प्रिंट, सस्टेनेबिलिटी के साथ कल्चर फ्यूजन के साथ देखे जा रहे हैं।

टेक्स्चर और फैब्रिक: आजकल यंगस्टर्स अपनी शर्ट्स के लिए सिर्फ कॉटन ही नहीं लिनेन, स्लब कॉटन और काड्रो जैसे फैब्रिक्स को भी तरजीह दे रहे हैं। ये फैब्रिक्स कंफर्टेबल तो होते ही हैं, साथ ही इन फैब्रिक से बने शर्ट साधारण लुक में भी एक खास अट्रैक्शन एड करते हैं।

हाइब्रिड वर्जन भी है ट्रेंड में: अब युवाओं की शर्ट्स सिर्फ फॉर्मल या कैजुअल भर नहीं हैं। इनका एक इंटरमीडिएट वर्जन भी आ चुका है, जो न पूरी तरह से फॉर्मल होता है और न ही पूरी तरह से कैजुअल होता है। चाहें तो आप इसे हाइब्रिड वर्जन या हाइब्रिड स्टाइल भी कह सकते हैं। मैंडरिन कॉलर शर्ट्स और स्पोर्टी एलीमेंट के साथ-साथ फैशन डिटेल वाले हाइब्रिड डिजाइन युवाओं को खूब भा रहे हैं।

मल्टी पॉकेट्स वाली शर्ट्स: आजकल कई सारी पॉकेट्स वाली शर्ट भी यंगस्टर्स के बीच काफी पॉपुलर हैं। कुछ शर्ट्स में तो पांच हाई पॉकेट और टेक-स्टिच सुविधाएं भी रहती हैं। अब के पहले शर्ट्स में या तो कोई जेब नहीं होती थी या एक-दो जेब होती थीं। दो से ज्यादा जेबें शर्ट्स में नहीं होती थीं। कुछ कोट शर्ट्स जरूर ऐसी होती हैं, विशेषकर मेडिकल प्रोफेशनल्स के ड्रेसअप चलन में दिखती हैं, जिनमें दो से ज्यादा और आमतौर पर चार पॉकेट्स देखी जाती हैं। लेकिन ऐसी शर्ट्स आम लोग नहीं पहनते थे। आमतौर पर अस्पतालों में नर्सें या टेक्निकल साइट्स में इंजीनियर और दूसरे कारीगर पहने दिखते हैं। कॉलेज गोइंग यंगस्टर्स में ऐसी शर्ट्स पहले नहीं दिखती थीं, लेकिन अब ऐसी शर्ट्स पहनकर यंगस्टर्स पार्टीज तक में भी दिख रहे हैं।

कुल मिलाकर हाल के दिनों में युवाओं की शर्ट्स में बहुत सारे एक्सपेरिमेंट्स किए जा रहे हैं और ये एक्सपेरिमेंट्स आज के युवाओं को खूब भा भी रहे हैं। *

सिने-जगत
डी.जे. नंदन

हिंदी फिल्मों की एक सदी से अधिक की यात्रा में अनेक ऐसे किरदार रचे गए, जिसने दर्शकों के दिलों पर अपनी अमिट छाप छोड़ी। इनमें से कई किरदारों की लोकप्रियता आज भी कायम है। बॉलीवुड के ऐसे पांच यादगार किरदारों पर एक नजर।

भुलाए नहीं भूलते बॉलीवुड के ये पांच यादगार किरदार

राज की भूमिका में राज कपूर

विजय की भूमिका में अमिताभ बच्चन

राज के किरदार में शाहरुख खान

भारतीय सिनेमा ने करीब सवा सौ साल की यात्रा पूरी कर ली है। इस लंबी यात्रा में भारतीय सिनेमा विशेषकर बॉलीवुड ने अनगिनत यादगार किरदार रचे हैं। कुछ किरदार पर्दे में प्रकट होते ही दर्शकों के दिल में कुछ समय के लिए जगह तो बना लेते हैं। लेकिन वक्त गुजरने के साथ इनकी छाप फीकी पड़ने लगती है। जबकि कुछ कालजयी किरदार ऐसे भी हुए हैं, जो दशकों से अलग-अलग पीढ़ियों के दिल में पूरी तरह से छाए हुए हैं और शायद अगली कई पीढ़ियों तक ऐसे ही बने रहेंगे। हालांकि तकनीकी तौर पर अभी ऐसे किरदारों ने एक शताब्दी तो नहीं पूरी की, लेकिन कुछ किरदारों की दर्शकों में जिस तरह की तरोताजगी है, वे आज भी जिस तरह रोमांचित और बेचैन करते हैं, उससे यह अतिश्योक्ति नहीं लगती कि एक सदी बाद भी वे इसी तरह सिने दर्शकों के दिल में अपनी जगह बनाए रखेंगे। इनके बारे में आप भी जरूर जानना चाहेंगे।

राज के किरदार में राज कपूर: सन 1955 में राज कपूर की फिल्म 'श्री 420' आई थी। इस फिल्म के किरदार राज को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला था। इस फिल्म का गीत 'मेरा जूता है जापानी, ये पतलून इंग्लिशतानी, सर पे लाल टोपी रूसी, फिर भी दिल है हिंदुस्तानी' उन दिनों खूब लोकप्रिय हुआ था। आज भी यह गीत सुना और गाया-गुनगुनाया जाता है। 'श्री 420' के राज का किरदार न केवल इस गीत के साथ भारतीय समाज की अभिव्यक्ति में तरोताजा है बल्कि बड़े-बड़े संदर्भों वाली बतकहियों या विमर्शों में भी लोग अपनी खांटी भारतीयता का एहसास कराने के लिए गीत की ये पंक्तियां गुनगुना देते हैं। फिल्म में राज एक सीधा-सादा, गरीब युवक है, जो बॉम्बे जैसे बड़े शहर में रोजी-रोटी की तलाश में आता है। लेकिन बॉम्बे की चमक-दमक और तेज रफ्तार जिंदगी में उसकी सादगी, मासूमियत और नेकदिली फिट नहीं हो पाती। लेकिन अंत में तमाम चालाकियों से भरे समाज में उसके सच्चे दिल और ईमान की यह खूबियां ही सबका दिल जीतती हैं। यह फिल्म, इसके गीत और फिल्म का किरदार राज दशकों से दर्शकों का दिल जीतता आया है और आगे भी यह सिलसिला जारी रहेगा।

गब्बर सिंह के किरदार में अमजद खान: 'शोले' फिल्म में अमजद खान द्वारा निभाया गया डाकू गब्बर सिंह का किरदार अपने आप में एक मील का पत्थर है। 'कितने आदमी थे?', 'जो डर गया, समझो मर गया', फिल्म में गब्बर सिंह द्वारा बोले गए ये डायलॉग्स सिर्फ सिने संवाद नहीं हैं बल्कि लोकभाषा के मुहावरे की तरह बन गए हैं, जो आज भी लोगों द्वारा सामान्य बातचीत में इस्तेमाल किए जाते हैं। 1975 में प्रदर्शित हुई फिल्म 'शोले' ने कामयाबी का कीर्तिमान तो स्थापित किया ही, साथ ही अमजद खान द्वारा निभाया गया गब्बर सिंह का किरदार भी दर्शकों के मन में अमर हो गया।

गब्बर सिंह के रोल में अमजद खान

विजय के रोल में अमिताभ बच्चन: फिल्म 'दीवार' में अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाता अमिताभ बच्चन का यह एंग्री यंगमैन किरदार विजय हमेशा-हमेशा के लिए फिल्मी इतिहास के फ्रेम में फ्रीज हो चुका है। याद कीजिए, फिल्म में विजय यानी अमिताभ बच्चन द्वारा बोला गया सुपरहिट डायलॉग, 'आज मेरे पास बंगला है, गाड़ी है, बैंक बैलेंस है, तुम्हारे पास क्या है?' आज भी यह डायलॉग हर सिने प्रेमी को बखूबी याद है। फिल्म ने कमाई और कामयाबी का कीर्तिमान तो स्थापित किया ही था। इसने भारतीय समाज को आईना दिखाने के लिए एक ऐसा अमर किरदार, ऐसे अमर डायलॉग्स दिए, जो आज भी लोगों की जुबान पर चढ़ा हुआ है। विजय का किरदार हर उस आम आदमी का प्रतिनिधित्व करता है, जो मेहनत करता है, कोशिश करता है, व्यवस्था से हार जाता है और अंततः सिस्टम के खिलाफ बगावत कर बैठता है।

राज के किरदार में शाहरुख: 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' का राज मल्होत्रा यानी शाहरुख खान अपने इस किरदार की बदौलत हमेशा-हमेशा के लिए रोमांस का पर्याय बन चुके हैं। 'डीडीएलजे' ने राज को केवल एक प्रेमी नायक नहीं बनाया बल्कि संस्कार और आधुनिकता के संगम का चेहरा भी दिया। फिल्म में राज मल्होत्रा की मुस्कान, उसकी शरारतें और सिमरन के लिए उसका धैर्य सबने दर्शकों को मोह लिया था। यह किरदार युवा पीढ़ी के बीच आज भी उतना ही लोकप्रिय है, जितना फिल्म रिलीज के समय हुआ था।

मुन्ना भाई के रोल में संजय दत्त: मुन्ना भाई सीरीज की फिल्मों में संजय दत्त द्वारा निभाया गया मुन्ना का किरदार, उसके डायलॉग्स, 'जादू की झप्पी', गांधीगिरी सबकुछ आज भी उतना ही रेलिवेंट है, जितना फिल्म की रिलीज के वक्त था। फिल्म में मुन्ना का टपोरी किरदार अपने बुनियादी इंसानी गुणों के कारण बड़े पर्दे से निकल कर समाज की आत्मा में जा बसा। फिल्म में मुन्ना भाई का किरदार दर्शकों को हंसाते-हंसाते, मानवता और संवेदना का सुंदर पाठ पढ़ाता है। चाहे राज हो, गब्बर सिंह हो, विजय हो, राज मल्होत्रा हो या फिर मुन्ना भाई हो। ये सभी सिर्फ फिल्मी किरदार नहीं, ये भारतीय जनमानस में गहरी पैठ बना चुके हैं। *

मुन्ना भाई के किरदार में संजय दत्त